मरु संदेश

पत्रिका /जे.आर.ओ./2026 /नवम् अंक

राजस्थान राज्य में इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र के विकास में हडको के बढ़ते कदम

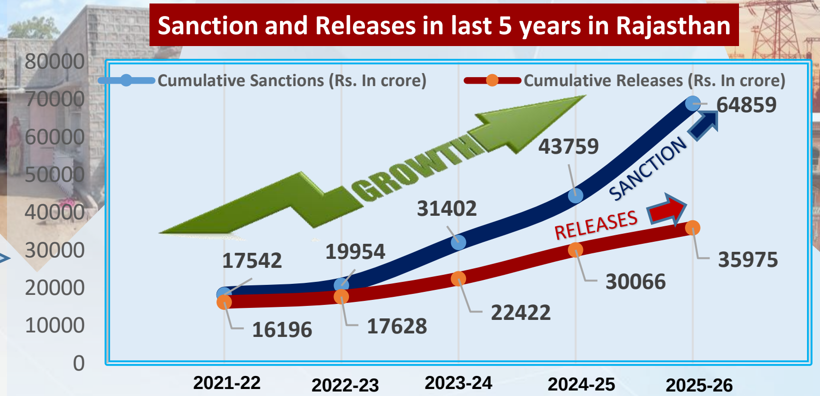

जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय

हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

हडको वित्त पोषित CSR योजनाएं

SCHOOL FURNITURE / LED PANEL

WATER COOLER

AUTO TRIPPER

AMBULANCE

SUPER SUCKER MACHINE

DUMP TANK

AUTO TRIPPER

BIO-DIGESTOR TOILET

संरक्षक एवं संपादक

श्री सुधीर कुमार भटनागर

क्षेत्रीय प्रमुख

सह संपादक

डॉ. प्रकाश जैन

हिन्दी नोडल अधिकारी

विशेष सहयोग

क्षेत्रीय कार्यालय के सभी कार्मिक

झाबर सिंह खर्रा

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
नगरीय विकास, आवासन
एवं स्वायत्त शासन विभाग
राजस्थान सरकार

सत्यमेव जयते

कमरा नं. –6016, भू–तल
मंत्रालय भवन, शासन सचिवालय
जयपुर–302006
दूरभाष : 0141-2227328 (कार्यालय)
0141-2227590 (निवास)
ई–मेल : jskudhminister@gmail.com

क्रमांकः 1716 दिनांकः 16.04.2026

—: शुभकामना संदेश :—

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि हडको जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय अपनी गृह पत्रिका "मरू संदेश" के नौवे अंक का प्रकाशन करने जा रहा है। इस अंक में जहाँ एक ओर हडको की कार्य प्रणाली और तकनीकी जानकारी का समावेश है, वहीं दूसरी ओर विभिन्न विधाओं पर विचारात्मक लेख, प्रेरणास्पद कहानियाँ, कविताएँ तथा हडको क्षेत्रीय कार्यालय की विविध गतिविधियाँ दर्शाई गई है।

हडको द्वारा राजस्थान राज्य के विभिन्न नगर निकायों, शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर सुधार न्यासों को आवास एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास की विभिन्न् परियोजनाओं के सतत् वित्त पोषण में निरंतर महत्वपूर्ण योगदान दिया जाता रहा है, जिससे राजस्थान राज्य में शहरी विकास को गति प्रदान हुई है। भारत सरकार एवं राज्य सरकारों की प्रमुख फ्लैगशिप योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, अमृत योजना, स्मार्ट सिटी मिशन, स्वच्छ भारत मिशन आदि तथा माननीय मुख्यमंत्री की बजट घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में हडको से उल्लेखनीय सहयोग प्राप्त हुआ है जिससे आवास, पेयजल आपूर्ति, सीवरेज प्रणाली, ड्रेनेज व्यवस्था, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं आधुनिक शहरी अधोसंरचना के विकास को बल मिला है। ये सभी प्रयास तीव्र शहरीकरण की चुनौतियों से निपटने तथा नगरीय निकायों में सेवा प्रदायगी को बेहतर बनाने में अत्यंत सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

हाल ही में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) एवं हडको की साझेदारी से अर्बन इन्वेस्ट विंडो (UIWIN), अर्बन चौलेंज फंड (UCF) का शुभारंभ हुआ है, जो नगर निकायों की क्षमता बढ़ाने और शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। जिससे शहरी विकास परियोजनाओं को तीव्र गति मिलेगी।

मैं हडको के निरंतर सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ तथा भविष्य में भी इस साझेदारी को और अधिक सुदृढ़ करने की अपेक्षा करता हूँ। मैं हडको जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय को "मरू संदेश" ई–पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि हडको आगामी वर्षों में भी राजस्थान राज्य के विकास में महत्ति भूमिका निभाता रहेगा और राज्य व देश में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

16/04/2026

(झाबर सिंह खर्रा)
राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

वर्तमान निवास : बी–3, भगत सिंह मार्ग, सी–स्कीम, जयपुर-302001
स्थायी पता – मु.पो. भारणी, तह. श्रीमाधोपुर, जिला सीकर, राजस्थान-332715

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है कि जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय, हडको राजस्थान की मिट्‌टी की सुगंध लिए अपनी गृह पत्रिका **"मरू संदेश" का नौवाँ अंक** प्रकाशित कर रहा है। इस पत्रिका में विभिन्न गतिविधियों, ज्ञानवर्धक लेख, राजभाषा हिन्दी का महत्त्व एवं तकनीकी जानकारी का समावेश है। हडको की सम्पूर्ण गतिविधियों, परियोजनाओं तथा विकास कार्यों के साथ भावी परियोजनाओं पर भी इस पत्रिका में प्रकाश डाला गया है।

हडको राजस्थान राज्य में चहुंओर विकास व विस्तार कार्यों जैसेः—जल जीवन मिशन (श्रश्रड) के अन्तर्गत पेयजल सुविधाएं, आधारभूत सुविधाओं के वित्त पोषण, सड़क, राजमार्गों के निर्माण, टूरिज्म क्षेत्र में विकास कार्य, सार्वजनिक परिवहन सेवाओं से राष्ट्रीय नव—निर्माण में अहम् भागीदारी के लिए सदैव तत्पर रहा है।

राजभाषा के क्षेत्र में भी जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय, हडको गृह पत्रिकाओं के प्रकाशन के माध्यम से हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा दे रहा है। भाषा के प्रति सुसंस्कार व सद्‌वृत्तियां पोषित करने में जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय सदैव अग्रणी रहा है। अतः राजभाषा हिन्दी की उत्तरोत्तर प्रगति के लिए प्रयासरत संपादक मंडल एवं सभी रचनाकारों को हार्दिक बधाई।
शुभकामनाओं सहित।

शुभकामनाओं सहित।

संजय कुलश्रेष्ठ
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संपादकीय

जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय की गृह पत्रिका **"मरू संदेश"** का नौवाँ अंक ई–पत्रिका के रूप में आपके समक्ष रखते हुए अत्यधिक हर्ष हो रहा है। भाषा बंधन नहीं संबल है संप्रेषण, संवहन, संयोजन, विस्तार व विकास का जिसका आवरण प्रत्येक व्यक्ति के व्यक्तित्व पर संकलित रहता है जिससे हम कभी दूर जा ही नहीं सकते चूंकि जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय **"क"** क्षेत्र श्रेणी में आता है इसलिए राजभाषा के विकास की जिम्मेदारी अधिक अनुभव की गई है। यह पत्रिका राजभाषा हिन्दी के प्रचार–प्रसार में उल्लेखनीय योगदान निरंतर प्रदान करती रहेगी।

जहाँ हडको प्रदत्त सेवाओं तथा कार्यों की प्रगति समावेश है वहीं दूसरी ओर विभिन्न विधाओं पर विचारात्मक लेख, कहानी, कविता तथा हडको जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय की विविध गतिविधियां भी परिलक्षित होती है। हडको, जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय राजभाषा विभाग हिन्दी के प्रचार व प्रसार हेतु निरंतर प्रतिबद्ध है।

मरू संदेश ई–पत्रिका निरंतर और निर्बाध रूप से राजभाषा की सच्ची भावना से ओत–प्रोत दायित्व का निर्वाह रखते हुए राजभाषा प्रोन्नति हेतु प्रयासरत रहेगी। राजभाषा हिन्दी के प्रचार–प्रसार और प्रयोगों हेतु हडको जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय के सभी सदस्यों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों को इस सफल प्रयास के लिए मैं हार्दिक बधाई देता हूँ।

पाठकों के बहुमूल्य सुझाव सदैव आमंत्रित है जिससे **"मरू संदेश" ई–**पत्रिका को बहुपयोगी बनाया जा सकें।

सुधीर कुमार भटनागर
क्षेत्रीय प्रमुख

हडको वित्त पोषित परियोजनाएँ

माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी से हडको के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक व वरिष्ठ अधिकारीगण, हडको द्वारा राजस्थान राज्य व देश में किये जा रहे कार्यों पर जानकारी प्रदान करते हुए।

राजस्थान के विकास में हडको का योगदान

हडको देश में इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास एवं आवास की विभिन्न योजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार का अग्रणी तकनीकी वित्तीय उपक्रम है। हडको अपने कार्य क्षेत्र को विस्तृत करते हुए राज्य के विकास में वित्तीय सहायता के साथ–साथ विभिन्न विकास की परियोजनाओं पर तकनीकी सहायता भी प्रदान करने जा रहा है। हडको द्वारा देश के विकास में वित्त पोषण के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2025–26 में विगत वर्षों के सापेक्ष महत्ती प्रगति की गई है।

राजस्थान राज्य में भी हडको द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 में विगत वर्षों के सापेक्ष कई योजनाओं पर वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, जिनमें प्रमुख योजनाएँ जल जीवन मिशन इंटरसिटी सड़क निर्माण योजनाएँ, पावर सेक्टर की योजनाएँ, अक्षय ऊर्जा सोलर पार्क, अमृत योजना के साथ – साथ नगर निकायों विभिन्न बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों का निर्माण, पर्यटन विकास, परिवहन योजना, इत्यादि है।

हडको जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय पिछले 5 वर्षो में :–

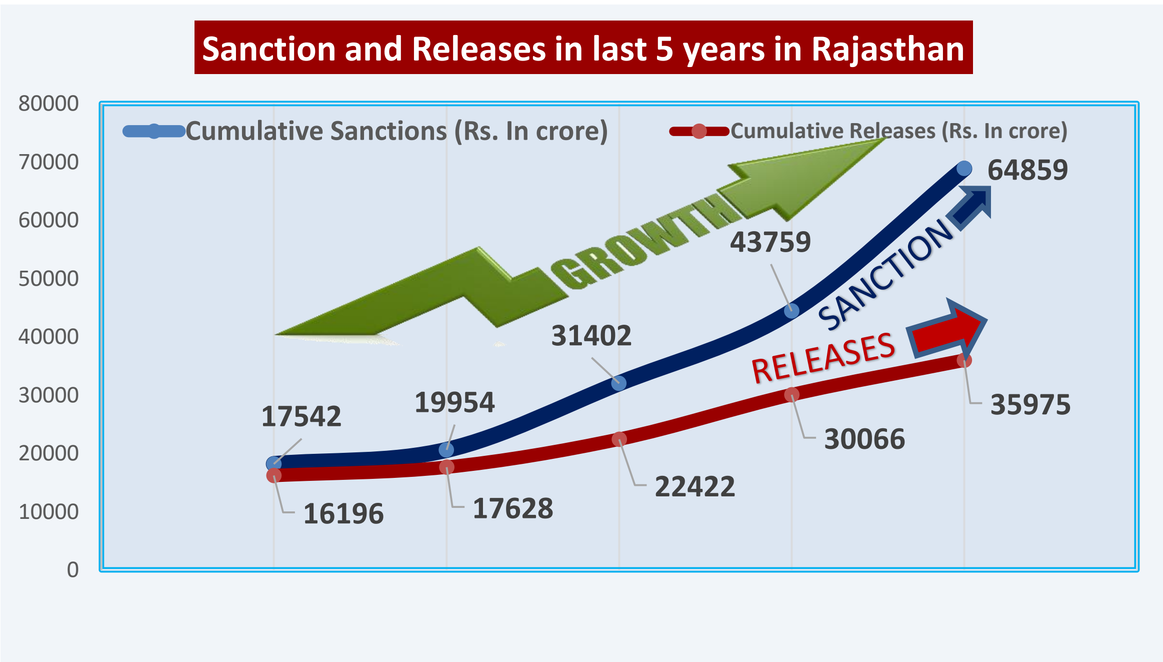

उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने पर जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय को पुरस्कार

वित्त वर्ष 2024–25

वित्त वर्ष 2023–24

वित्त वर्ष 2022–23

वित्त वर्ष 2021–22

राजस्थान राज्य में हडको द्वारा 54EC पूंजीगत लाभ बॉन्ड्स की शुरूआत

राजस्थान राज्य में हडको द्वारा 54EC पूंजीगत लाभ बॉन्डस् की शुरूआत किए जाने का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 54EC पूंजीगत लाभ बॉन्डस के लाभ के बारे में जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में राज्य सरकार के उच्च अधिकारी, क्षेत्र के विभिन्न चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, वित्तीय एवं निवेश सलाहकार, प्रमुख ब्रोकिंग हाउसों के प्रतिनिधि, कलेक्टिंग बैंक और अन्य सहयोगी संस्थाओं द्वारा प्रतिभागिता की गई।

54 EC पूंजीगत लाभ बॉन्ड
भारत में एक कर-बचत निवेश विकल्प

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 54 EC को औपचारिक रूप से 2000 के दशक की शुरुआत में, विशेष रूप से वित्त अधिनियम, 2001 के बाद लागू किया गया था। यह सरकार की व्यापक कर सुधार रणनीति का एक हिस्सा था। यह प्रावधान लगभग वर्ष 2002-2003 के आसपास प्रमुखता में आया जब एनएचएआई (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) और आरEC (ग्रामीण विद्युतीकरण निगम) जैसे संस्थान पहले अधिकृत जारीकर्ता बने।

धारा 54EC के अंतर्गत पूंजीगत लाभ बॉन्ड उन सरकारी संस्थाओं द्वारा जारी किए जाते हैं जिन्हें केंद्र सरकार द्वारा अधिकृत किया गया हो। इन बॉन्ड्स में निवेश करने से व्यक्ति या संस्थाएं भूमि या भवन बेचने पर उत्पन्न दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ) पर कर से छूट प्राप्त कर सकते हैं। यदि कोई व्यक्ति संपत्ति की बिक्री से प्राप्त पूंजीगत लाभ की राशि को बिक्री की तिथि से **6 माह के भीतर** इन विशेष बॉन्ड्स में निवेश करता है तो वह पूंजीगत लाभ कर मुक्त हो जाता है।

ये बॉन्ड्स **अहस्तांतरणीय** और **गैर-परक्राम्य** होते हैं अर्थात इन्हें किसी अन्य व्यक्ति को स्थानांतरित या बेचा नहीं जा सकता।

54EC बॉन्ड के पीछे का उद्देश्य:-

➢ करदाताओं को पूंजीगत लाभ कर में राहत प्रदान करना

- वे व्यक्ति या संस्थाएं जिन्होंने भूमि या भवन की बिक्री से दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (LTCG) अर्जित किया था, उन पर भारी कर लगाया जाता था। इस कर बोझ को कम करने और पुनर्निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए, धारा 54EC के तहत 100% कर छूट प्रदान की जाती है यदि पूंजीगत लाभ को विशिष्ट सरकारी गारंटी वाले इंफ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड्स में निवेश किया जाए।

➢ राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए धन एकत्र करना

- भारत को सड़कों, बिजली, ऊर्जा आदि जैसे प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर विकास कार्यों के लिए दीर्घकालिक पूंजी की आवश्यकता थी। सरकार ने इन बॉन्ड्स के माध्यम से निजी पूंजी को इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों में लाने के लिए लोगों को प्रोत्साहन दिया।
- NHAI, REC, PFC और बाद में IRFC तथा HUDCO जैसे जारीकर्ताओं को इन साधनों के माध्यम से सार्वजनिक विकास परियोजनाओं के लिए धन जुटाने की अनुमति दी गई।

छूट का लाभ प्राप्त करने के लिए, पूंजीगत लाभ की छूट का दावा तभी किया जा सकता है जब यह लाभ **दीर्घकालिक पूंजीगत संपत्ति**, विशेष रूप से **भूमि, भवन या दोनों** की बिक्री या हस्तांतरण से उत्पन्न हुआ हो।

करदाता को पूंजीगत लाभ की राशि को संपत्ति के स्थानांतरण/बिक्री की तिथि से 6 माह के भीतर पात्र 54 EC बॉन्ड्स में निवेश करना आवश्यक होता है। एक वित्तीय वर्ष में निवेश की अधिकतम सीमा ₹50 लाख निर्धारित है।

पात्र निवेशक (Eligible Investors):-इन बॉन्ड्स में निम्नलिखित निवेश कर सकते हैं:

- व्यक्ति (Individuals)
- हिंदू अविभाजित परिवार (HUF)
- कंपनियाँ (निजी या सार्वजनिक)
- साझेदारी फर्म/एलएलपी (Partnership Firms / LLPs)
- ट्रस्ट्स (Trusts)
- अनिवासी भारतीय (NRIs)

लॉक-इन अवधि का पालन (Lock-in Period Compliance):-इन बॉन्ड्स की परिपक्वता अवधि 5 वर्ष (60 माह) होती है। यदि इन बॉन्ड्स को निर्धारित अवधि से पहले बेचा, गिरवी रखा या स्थानांतरित किया जाता है, तो कर छूट रद्द हो जाती है और संबंधित पूंजीगत लाभ उस वर्ष में कर योग्य हो जाता है जिसमें नियमों का उल्लंघन हुआ हो।

ब्याज दर:-वर्तमान में, धारा 54EC पूंजीगत लाभ बॉन्ड्स पर वार्षिक ब्याज दर लगभग 5.25% प्रति वर्ष है, जिसे प्रत्येक वर्ष भुगतान किया जाता है। इन बॉन्ड्स पर ब्याज दरें आमतौर पर अन्य फिक्स्ड इनकम निवेश विकल्पों की तुलना में थोड़ी कम होती हैं लेकिन यह एक निश्चित और पूर्वानुमेय आय प्रदान करती हैं।

हडको टैक्स बॉन्ड्स :-हडको (हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड), जो एक नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (CPSE) है, को केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) की अधिसूचना दिनांक 7 अप्रैल, 2025 के माध्यम से धारा 54EC पूंजीगत लाभ बॉन्ड्स का अधिकृत जारीकर्ता घोषित किया गया। यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2025 या उसके बाद जारी किए गए बॉन्ड्स पर प्रभावी है।

हडको को 54EC पूंजीगत लाभ बॉन्ड्स का जारीकर्ता बनाए जाने से संगठन और निवेशकों दोनों को परस्पर लाभ प्राप्त होते हैं।निवेशकों के लिए, ये बॉन्ड भूमि या भवन की बिक्री से उत्पन्न दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर से बचने का एक सुरक्षित और सरकार द्वारा समर्थित विकल्प प्रदान करते हैं। हडको, एक सार्वजनिक क्षेत्र की संस्था होने के साथ-साथ एक मजबूत वित्तीय स्थिति वाली कंपनी है, जो निवेशकों को उनके पूंजी की सुरक्षा को लेकर आश्वस्ति और विश्वास प्रदान करती है। हडको बॉन्ड्स में निवेश करके, निवेशक भारत की शहरी बुनियादी ढांचा एवं आवास विकास परियोजनाओं में परोक्ष रूप से योगदान देते हैं, जिससे उनके निवेश को सामाजिक प्रभाव का भी महत्व प्राप्त होता है। यह विकल्प विशेष रूप से उन निवेशकों के लिए लाभकारी है जो कम जोखिम) पसंद करते हैं और जो सुरक्षित, सरकार समर्थित निवेश को वरीयता देते हैं जिसमें नियत प्रतिफल होता है और जो बाज़ार की अस्थिरता से प्रभावित नहीं होता।

हडको के दृष्टिकोण से:-

54EC बॉन्ड्स जारी करना हडको को दीर्घकालिक पूंजी एकत्रित करने, फंड की लागत को कम करने तथा अपने ऋण कार्यों के लिए स्थिर और पूर्वानुमेय नकद प्रवाह सुनिश्चित करने का अवसर प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, इन बॉन्ड्स से प्राप्त राशि का उपयोग केवल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए किया जाना अनिवार्य है जो हडको के मुख्य उद्देश्य — आवास और शहरी विकास परियोजनाओं के वित्तपोषण — के साथ सीधे जुड़ा हुआ है।54 EC बॉन्ड्स के जारीकर्ता के रूप में शामिल होने से, हडको को संस्थागत वित्त से परे जाकर फंडिंग स्रोतों में विविधता लाने तथा रिटेल निवेशकों, विशेष रूप से उच्च निवल मूल्य वाले व्यक्तियों और दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर छूट की तलाश कर रहे करदाताओं तक पहुँचने का अवसर मिलता है।यह न केवल हडको की वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करता है बल्कि उसकी बाज़ार में पहुँच और दृश्यता को भी बढ़ाता है।

54EC बॉन्ड्स अन्य बॉन्ड्स से बेहतर क्यों हैं :-

- **54EC बॉन्ड्स** विश्वसनीय **सरकारी उपक्रमों** जैसे **हडको, एनएचएआई, REC और पीएफसी** द्वारा जारी किए जाते हैं, जिससे इनकी **सुरक्षा उच्च** होती है और **डिफॉल्ट का जोखिम शून्य** होता है। इसके विपरीत कई **कॉरपोरेट या एनबीएफसी बॉन्ड्स** में **क्रेडिट जोखिम** बना रहता है।
- 54EC बॉन्ड्स पर वर्तमान में **5.25% प्रति वर्ष की निश्चित ब्याज दर** मिलती है, जो **स्थिर और पूर्वानुमेय** होती है। दूसरी ओर अन्य बॉन्ड्स (विशेषकर मार्केट लिंक्ड) में **ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव**, होने से **अनिश्चितता** बनी रहती है।
- 54EC बॉन्ड्स **गैर-व्यवसायिक** और **अहस्तांतरणीय** होते हैं, जिससे निवेशकों को **बाजार मूल्य में उतार-चढ़ाव से सुरक्षा** मिलती है जबकि **म्युचुअल फंड बॉन्ड्स** या **सूचीबद्ध एनसीडीज़** पर ब्याज दरों और बाजार की अस्थिरता का प्रभाव पड़ सकता है।
- **स्थानीय निवासियों** के लिए **ब्याज पर कोई टीडीएस नहीं**, **बाजार से जुड़ा कोई जोखिम नहीं** और **सरकारी गारंटी** जैसे विशेष लाभों के कारण 54EC बॉन्ड्स **कम जोखिम पसंद करने वाले निवेशकों**, विशेष रूप से **सेवानिवृत्त करदाताओं** के लिए एक आदर्श विकल्प हैं।

54EC पूंजीगत लाभ बॉन्ड्स उन व्यक्तियों और संस्थाओं के लिए एक **मूल्यवान साधन** हैं जो अपने **पूंजीगत लाभ कर को न्यूनतम** करना चाहते हैं। **हडको, एनएचएआई, आरEC, पीएफसी** जैसी संस्थाओं द्वारा जारी इन बॉन्ड्स में निवेश करके, निवेशक न केवल **कर लाभ** प्राप्त कर सकते हैं बल्कि **बुनियादी ढांचे के विकास में योगदान** देते हुए अपने **निवेश पोर्टफोलियो में विविधता** भी ला सकते हैं।इन बॉन्ड्स की **पात्रता शर्तों, निवेश प्रक्रिया और प्रमुख विशेषताओं** को समझना **सजग और सूचित निवेश निर्णय** लेने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

शैलेन्द्र सिघंवी
प्रबन्धक – वित्त

HUDCO CSR INITIATIVE

1. **Super Sucker Machine with one Dump Tank for Sewer line cleaning by Nagar Nigam Jaipur (HUDCO CSR assistance of Rs. 100.00 lakh).**
2. **14 Nos. of Auto Trippers for door to door garbage collection in District Bundi by Nagar Parishad Bundi (HUDCO CSR assistance of Rs. 100.00 lakh).**

SUPER SUCKER MACHINE WITH ONE DUMP TANK

हडको द्वारा सीएसआर नीति के तहत् जयपुर नगर निगम ग्रेटर द्वारा सीवर लाइन की सफाई के लिए एक डंप टैंक सहित सुपर सकर मशीन की क्रय करने हेतु रुपये 100.00 लाख का हडको सीएसआर के अंतर्गत अनुदान प्रदान किया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य मैनुअल सीवर लाइन सफाई प्रथा को समाप्त करना और जयपुर में मशीनीकृत सीवर सफाई प्रणाली शुरू करके स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करना है। यह परियोजना जयपुर ग्रेटर नगर निगम क्षेत्र के 150 वार्डों में रहने वाले 20 लाख से अधिक लोगों को लाभ पहुंचाएगी।

Project Components:- Main Parts of a Super Sucker Machine comprises of - **Water Tank (**Stores water used for high-pressure jetting, water is pumped into sewer pipes to break blockages), **High-Pressure Jetting Pump (**Creates high-pressure water and Breaks sludge, grease, and solid waste inside sewer pipelines), **Jetting Hose & Nozzle, Vacuum Pump/Blower (**Creates strong suction pressure and pulls sludge, mud, plastic, and debris from the sewer), S**uction Hose (**Large pipe placed inside the manhole that transfers sludge from sewer to the storage tank), **Sludge Storage Tank (Dump Tank) (**Stores the sucked waste material, Capacity 10000 **liters), Hydraulic System** (Used for opening tank doors and tipping the tank to discharge sludge) and **Truck Chassis / Engine** (25 ton GVW truck chassis)

परियोजना की आवश्यकता और अपेक्षित लाभः—

जयपुर में घनी आबादी वाले क्षेत्रों में मानसून के दौरान अक्सर सीवर जाम हो जाते हैं, सुपर सकर मशीन/सक्शन—कम—जेटिंग सीवर मशीन का उपयोग उच्च दबाव वाले पानी के जेट और वैक्यूम सक्शन द्वारा सीवर लाइनों, तूफानी नालियों और मैनहोलों की सफाई के लिए किया जाता है। यह मशीन मैनुअल सफाई (श्रमिक सुरक्षा) को समाप्त करने, सीवर लाइनों की तेजी से सफाई करने, गाद और अवरोधों को प्रभावी ढंग से हटाने जैसे लाभ प्रदान करती है और स्वच्छता और सीवर रख रखाव में सुधार के लिए भारतीय शहरों में नगर निगमों द्वारा व्यापक रूप से उपयोग की जाती है।

AUTO TRIPPERS FOR DOOR TO DOOR GARBAGE COLLECTION

हडको द्वारा सीएसआर नीति के तहत् नगर परिषद बून्दी को डोर–टू–डोर कचरा संग्रहण हेतु 14 ऑटो टिपर्स क्रय करने हेतु रुपये 100.00 लाख का हडको सीएसआर के अंतर्गत अनुदान प्रदान किया गया है।

इस परियोजना का उद्देश्य बूंदी शहर को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाना है। नगर परिषद बून्दी द्वारा ऑटो ट्रिपर्स द्वारा घर–घर से 100% कचरा संग्रहण और निस्तारण की मौजूदा व्यवस्था को मजबूत कर, शहर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली में सुधार करना है। ऑटो ट्रिपर्स के माध्यम से क्षेत्र में कुशल और सुविधाजनक कचरा संग्रहण सेवाएँ प्रदान कर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली में सुधार करना है। इससे गीले कचरे को कम्पोस्ट करने और सूखे कचरे का सही प्रबंधन करने में नगर परिषद बून्दी को सहायता मिलेगी।

****

सुविचार

व्यर्थ समय न गवाएं

अपनी वाणी पर सयंम रखना चाहिए

सोचने–लिखने में आसान, हिन्दी की यही पहचान

जो आनन्द शांत रहने में है वो
शिकायत करने में नहीं है

सकारात्मकता एवं अनुशासन सफलता का मार्ग है

यदि हम सब समस्याओं के स्थान पर स्वयं को मिले सौभाग्य,खुशियों एवं वरदानों को गिनना शुरू कर दें तो जिन्दगी बहुत आसान एवं खूबसूरत लगेगी

समयः लौट कर नहीं मिलूंगा दुबारा....जरा सोच–समझ कर खोना मुझे

छोटे–छोटे प्रयास बड़े–बड़े परिणाम लाते है

जीवन में कठिनाईयां हमें मजबूत बनाती है

जरूरी नहीं है कि जो जैसा दिखता है,
वो वैसा ही हो

संकल्प में अथाह सामर्थ्य है, दृढ़ संकल्पवान मनुष्य हर क्षेत्र में सफल और हर किसी का प्यारा हो सकता है

ईश्वर के आभारी रहिए–आप सोच सकते है,
खुद को बदल सकते हैं

हडको वित्त पोषित योजना का लोकार्पण एवं हडको द्वारा बून्दी नगर परिषद को प्रदान की जा रही सलाहकार सुविधा पर प्रस्तुतीकरण।

माननीय लोकसभा स्पीकर श्री ओम बिरला जी की अध्यक्षता में हडको, बून्दी जिला प्रशासन, नगर परिषद एवं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों की बून्दी में प्रस्तावित रू. 280.00 करोड़ की बहुक्षेत्रीय विकास परियोजनाओं की संयुक्त उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में राज्य सरकार के माननीय शहरी विकास एवं आवास विभाग मंत्री श्री झाबर सिंह खर्रा, राजस्थान सरकार एवं ऊर्जा मंत्री श्री हीरालाल नागर, राजस्थान सरकार की उपस्थित में आयोजित की गई। बैठक में हडको द्वारा बूंदी नगर परिषद को प्रदान की जा रही सलाहकार सुविधा पर प्रस्तुतीकरण दिया गया।

उक्त के अतिरिक्त लोकसभा अध्यक्ष ने हडको वित्त पोषित नगर परिषद के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया।

नगरपरिषद के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

नया भवन विकास और विश्वास का प्रतीक बनें- बिरला

पत्रिका लाइव रिपोर्ट

सड़क नेटवर्क, फ्लाईओवर, एयरपोर्ट और रामगढ़ रिजर्व से बूंदी को मिलेगी नई पहचान

लोकसभा अध्यक्ष ने बूंदी में प्रस्तावित 280 करोड़ की विकास परियोजनाओं की समीक्षा

सुगम होगा यातायात

जयपुर की पुराने समय की फोटो

जयपुर की हाल की फोटो

राजस्थान सरकार का वर्ष 2026-27 का बजट

राजस्थान सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिये राज्य बजट प्रस्तुत किया, जिसमें वित्तीय सुदृढ़ीकरण, पूंजीगत व्यय में वृद्धि, कृषि सशक्तिकरण, अवसंरचना विस्तार और सामाजिक क्षेत्र को प्राथमिकता देने की रूपरेखा प्रस्तुत की गई, साथ ही FRBM मानकों का पालन सुनिश्चित किया गया। यह 6.11 लाख करोड़ रुपये का है, राजस्थान बजट में महिलाओं, छात्रों, मरीजों और उद्योगों के लिए बड़ी घोषणाएं की गई हैं। कर्ज सीमा बढ़ी, मुफ्त इलाज और लैपटॉप की सहायता मिलेगी, इंडस्ट्रियल पार्क बनेंगे और शहरों में आधारभूत ढांचा मजबूत होगा। **शहरों को सिग्नल फ्री बनाने और लाखों स्ट्रीट लाइट लगाने की भी तैयारी है।** सरकार ने बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, सार्वजनिक सेवाओं में सुधार करने और औद्योगिक विस्तार को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत व्यय में वृद्धि की है। बजट में निम्नलिखित प्रमुख राजकोषीय अनुमानों के माध्यम से यह दृष्टिकोण परिलक्षित होता है:

- **कुल बजट परिव्यय** 6,10,956 **करोड़ रुपये है ।**
- **अनुमानित** राजस्व प्राप्तियां 3,25,74,0.13 **करोड़ रुपये** हैं ।
- अनुमानित राजस्व व्यय 3,50,054.07 **करोड़ रुपये** निर्धारित किया गया है ।
- अनुमानित राजस्व घाटा 24,313 **करोड़ रुपये** है ।
- राजकोषीय घाटे का लक्ष्य 79,492 **करोड़ रुपये** है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का 3.69% **है।**
- राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी): ₹21,52,100 करोड़, 2025-26 के संशोधित अनुमानों की तुलना में 15% की वृद्धि।

राजस्थान की वित्त मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने 11 फरवरी को विधानसभा में बजट 2026 पेश किया । भजन लाल सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, युवा और महिला सशक्तिकरण पर फोकस करते हुए कई अहम घोषणाएं की गई। इस बजट को समृद्ध राजस्थान और विकसित भारत की दिशा में बड़ा कदम बताया गया।

Figure 1: Growth in Rajasthan's GSDP at constant prices (2011-12)

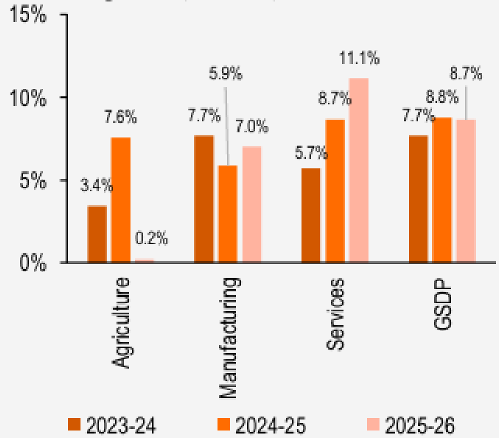

Note: These numbers are as per constant prices (2011-12) which implies that the growth rate is adjusted for inflation.
Sources: Rajasthan Economic Review 2025-26; PRS.

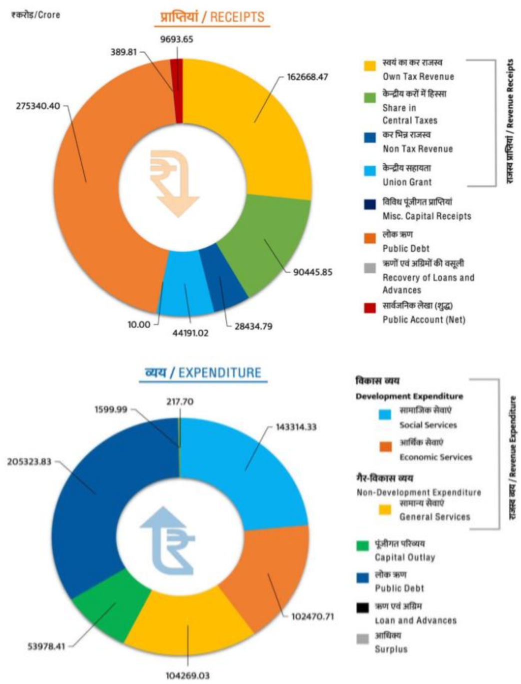

प्रमुख रणनीतिक फोकस

- राजकोषीय अनुशासन: 2025-26 के संशोधित अनुमानों (1.8%) की तुलना में कम राजस्व घाटा (1.1%) का लक्ष्य रखा गया है।
- डिजिटलीकरण और कौशल: राजस्थान राज्य परीक्षण एजेंसी और एआई प्रयोगशालाओं की स्थापना।
- औद्योगिक विकास: "राइजिंग राजस्थान" पहल के माध्यम से निरंतर समर्थन जारी रहेगा जिसका लक्ष्य 2047 तक आर्थिक विकास में उद्योगों और सेवाओं का 80% योगदान हासिल करना है।

कृषि: सिंचाई पर ध्यान केंद्रित करना, 50,000 सौर पंप और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बोनस साथ ही "किसान सम्मान निधि" डीबीटी योजना।

ऊर्जा:

प्रदेश में **220** केवीए **के 6** नए जीएसएस स्थापित किए जाएंगे। **132** केवी के **13** और **33** केवी के **110** नए जीएसएस बनाए जाएंगे। बीकानेर और जैसलमेर **में 2950** करोड़ रुपये की लागत से नए सोलर पार्क विकसित किए जाएंगे। राज्य के नगर निकायों में 7 लाख Street Lights लगाई जाएगी।

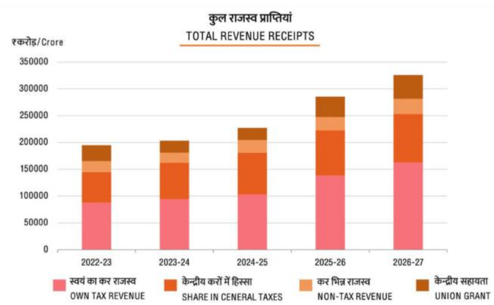

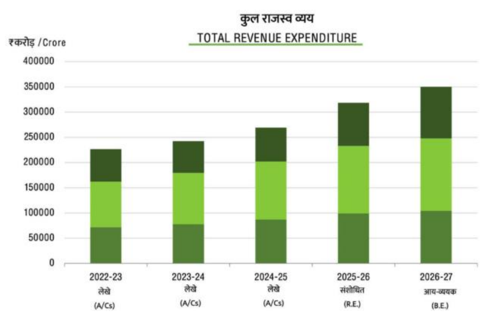

पेयजल:

1092 गांवों तक बिसलपुर योजना का पानी पहुँचाने की व्यवस्था को बेहतर बनाने पर **650** करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। **24** हजार करोड़ रुपये की पेयजल परियोजनाओं के वर्क ऑर्डर जारी किए गए। मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन योजना के तहत **6500** गांवों को शामिल कर हर घर नल से जोड़ा जाएगा जिस पर **4500** करोड़ रुपये खर्च होंगे। शहरों में पेयजल व्यवस्था के लिए **2300** करोड़ रुपये की लागत से प्रबंध किए जाएंगे। देशनोक में **24** घंटे पानी उपलब्ध कराने के लिए **750** करोड़ रुपये खर्च होंगे।

एयरपोर्ट-टूरिज्म सेक्टर को गिफ्ट

सीकर, झुंझुनूं, डीग और भरतपुर में नए एयरपोर्ट के लिए फिजिबिलिटी स्टडी होगी साथ ही जैसलमेर के खुड़ी में अल्ट्रा लग्जरी टूरिज्म जोन और कुलधरा में पर्यटन केंद्र विकसित होगा। पर्यटन विकास के लिये ₹975 करोड़ रुपए का प्रावधान, जैसलमेर के खुरी में एक अल्ट्रा-लक्ज़री विशेष पर्यटन क्षेत्र का विकास प्रस्तावित है।

SUMMARY OF STATE BUDGET

(₹लाख/Lakh)

क्र.सं S.N.	विवरण Particulars	लेखे Accounts	लेखे Accounts	लेखे Accounts	संशोधित अनुमान R.E.	आय-व्ययक अनुमान B.E.
		2022-23	2023-24	2024-25	2025-26	2026-27
1	राजस्व आधिक्य (+)/घाटा (-) Revenue Surplus (+)/Deficit (-)	-3149136.32	-3895459.77	-4195003.74	-3298291.39	-2431393.53
2	पूंजी खाते से आधिक्य (+)/घाटा (-) Surplus (+)/Deficit(-) from Capital Account	3123326.35	3902763.48	4194674.22	3306874.46	2453163.59
3	बजट आधिक्य (+)/घाटा(-) Budget Surplus (+)/ Deficit (-)	-25809.97	7303.71	-329.52	8583.07	21770.06
4	राजकोषीय घाटा Fiscal Deficit	5102860.87	6557954.84	7241996.09	7249262.00	7949252.41
5	प्रारम्भिक आधिक्य(+)/घाटा (-) Primary Surplus (+)/Deficit (-)	-2042673.07	-3145177.10	-3407531.95	-2953194.24	-3581730.48

सड़कें और पुल:

प्रदेश में 1,800 करोड़ रुपये की लागत से नई सड़कों और पुलों का निर्माण किया जाएगा। नॉन पैचेबल सड़कों के लिए 1400 करोड़ रुपये, मिसिंग लिंक सड़कों पर 600 करोड़ रुपये सरकार द्वारा खर्च किये जाएगे। इसी के तहत अगले वर्ष 250 अटल प्रगति पथ के लिए 500 करोड़ के काम शुरू कराए जाएंगे। सड़कों की मरम्मत के लिए 500 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है। ओवरब्रिज (आरओबी/आरयूबी) और अंडरब्रिज (रोड अंडरब्रिज) के निर्माण के लिए 920 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

हर्ष पसरीजा
उप महाप्रबन्धक–वित्त

जयपुर शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की सुदृढ़ता समय की प्राथमिकता

जयपुर के शहरी परिवहन को कई गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है जिनके लिए रणनीतिक हस्तक्षेप आवश्यक है। शहर का Sustainable Urban Transport Index (SUTI) 41.45 है जो कि सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की अक्षमताओं को दर्शाता है। निजी वाहनों पर निर्भरता कम करने के लिए जन परिवहन और गैर-मोटर चालित परिवहन (NMT) को बढ़ावा देना ज़रूरी है ताकि भीड़भाड़ घटे, प्रदूषण कम हो और गतिशीलता बेहतर बने। तेज़ी से हो रहे प्रवास, अपर्याप्त वित्तीय संसाधन और भूमि उपयोग व परिवहन योजना के बीच कमजोर तालमेल मांग-आपूर्ति अंतर को और बढ़ा रहे हैं। बढ़ती आय के कारण निजी वाहन स्वामित्व में वृद्धि हो रही है, जिससे अवसंरचना पर दबाव बढ़ रहा है।

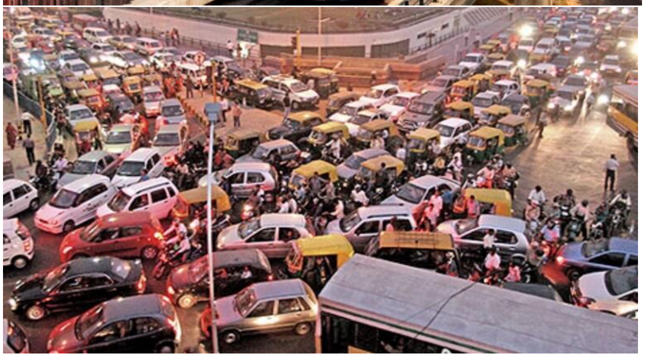

सड़क ढांचे की असमानता, अपर्याप्त NMT सुविधाएँ और अतिक्रमण के कारण यातायात जाम और सुरक्षा संबंधी समस्याएँ बढ़ रही हैं। इससे यात्रा समय लंबा होता है और दुर्घटनाओं की दर भी अधिक रहती है। जयपुर मेट्रो सीमित कवरेज और अन्य परिवहन साधनों से कमजोर एकीकरण के कारण कम उपयोग में है। कई एजेंसियों के बीच बिखरे हुए प्रशासनिक ढांचे से समन्वित परिवहन विकास बाधित होता है।

स्पष्ट लक्ष्यों और समर्पित वित्तीय संसाधनों की कमी परियोजनाओं में देरी का कारण बन रही है। सतत परिवहन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए मज़बूत वित्तीय योजना आवश्यक है। शहर बस सेवा भी खराब पहुँच, अव्यवस्थित मार्ग योजना और भीड़भाड़ जैसी समस्याओं से जूझ रही है। निजी ऑपरेटरों से प्रतिस्पर्धा सेवा गुणवत्ता को प्रभावित करती है। साथ ही वाहन उत्सर्जन से उत्पन्न उच्च प्रदूषण स्तर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों से अधिक हैं, जिससे वायु गुणवत्ता प्रबंधन और सतत परिवहन उपायों की सख्त आवश्यकता है।

इन चुनौतियों का समाधान एक समग्र दृष्टिकोण से ही संभव है जिसमें प्रभावी परिवहन योजना, मज़बूत प्रशासनिक ढांचा, सतत अवसंरचना में निवेश और वैकल्पिक परिवहन साधनों को बढ़ावा शामिल हो। इन रणनीतियों को प्राथमिकता देने से जयपुर एक लचीला, कुशल और सतत शहरी परिवहन तंत्र विकसित कर सकेगा जो आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण को समर्थन देगा।

आवश्यक रणनीतिक हस्तक्षेप:-

1. **जन परिवहन को मज़बूत करना** – मेट्रो विस्तार, बस मार्ग सुधार, एकीकृत टिकटिंग।
2. **गैर-मोटर चालित परिवहन (NMT) को बढ़ावा** – सुरक्षित फुटपाथ, साइकिल ट्रैक, लास्ट-माइल कनेक्टिविटी।
3. **भूमि उपयोग और परिवहन का एकीकरण –** ट्रांज़िट-ओरिएंटेड डेवलपमेंट **(TOD)** और ज़ोनिंग सुधार।
4. **प्रशासनिक सुधार** – एकीकृत परिवहन प्राधिकरण और नागरिक सहभागिता।
5. **वित्तीय रणनीति –** शहरी परिवहन कोष, PPP मॉडल और वैकल्पिक राजस्व स्रोत।
6. **पर्यावरण और सुरक्षा उपाय** – इलेक्ट्रिक बसें, उत्सर्जन नियंत्रण, स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन और सड़क सुरक्षा अभियान।

राजधानी जयपुर में बढ़ते ट्रैफिक और हर रोज के जाम से राहत पाने के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा शहर का **Comprehensive Mobility Plan (CMP)** तैयार किया गया है। यह प्लान 2055 तक आने वाले 30 सालों की ट्रैफिक जरूरतो, जनसंख्या वृद्धि और सड़क नेटवर्क को ध्यान में रखकर बनाया गया है जिस पर **लगभग 42 हजार करोड़ का खर्च** अनुमानित है| तीन चरणों में प्लान होगा पूरा जिसमे पहला (वर्ष 2025 से 2030 तक) 17,710 करोड़ रुपए, दूसरा (वर्ष 2031 से 2040 तक) 15,572 करोड़ रुपए एवं तीसरा (वर्ष 2041 से 2055 तक) 9,145 करोड़ अनुमानित लगत है |

1. **मेट्रो विस्तार :-** कुल **129.55 किमी मेट्रो नेटवर्क** प्रस्तावित , फेज-2: प्रहलादपुरा से टोडीमोड़ तक , भविष्य में फेज-3 और फेज-4 की योजना। वर्ष 2055 तक 129.55 किमी लंबा नेटवर्क लक्ष्य।तीनों चरणों की अनुमानित लागत **34 हजार करोड़** है

2. **बस नेटवर्क सुधार:-** 245 किमी नए बस मार्ग प्रस्तावित, बसों की संख्या बढ़ाकर 4,050 करने का लक्ष्य एवं 214 किमी का फीडर रूट नेटवर्क मेट्रो स्टेशनों और प्रमुख कॉरिडोरों के लिए विकसित होगा। जिसमे 3550 इलेक्ट्रिक स्टैण्डर्ड बसें चरणबद्ध तरीके से संचालित करने का प्रस्ताव है । करीब 3500 करोड़

रुपए में इनकी खरीद होगी। वहीं, 300 इलेक्ट्रिक मिनी व मिडी बसें भी खरीदने का प्रस्ताव है। इन पर करीब 90 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

3. **गैर-मोटर चालित परिवहन (NMT)-** फुटपाथ नेटवर्क का विस्तार, समर्पित साइकिल ट्रैक का निर्माण, मेट्रो स्टेशनों पर पब्लिक ई-बाइक शेयरिंग की शुरुआत। राहगीरों के लिए करीब 95 हजार वर्ग मीटर फुटपाथ बनाए जाने की जरूरत बताई है।

4. **पार्किंग सुधार-** पुरानी शहर (वॉल्ड सिटी) में **नो पार्किंग ज़ोन** और **ऑन-स्ट्रीट पेड पार्किंग**, रेलवे स्टेशन और अन्य उच्च मांग वाले स्थानों पर **मल्टी-लेवल पार्किंग** की सिफारिश।

5. **25 नए फ्लाईओवर बनाने का सुझाव-** खास चौराहों और व्यस्त मार्गों पर जाम से राहत के लिए 25 नए फ्लाईओवर बनाने का सुझाव दिया गया है। साथ ही शहर के 10 प्रमुख जंक्शनों का पुनर्गठन, स्मार्ट सिग्नलिंग सिस्टम और ट्रैफिक मैनेजमेंट में बड़े सुधार भी प्रस्तावित किए हैं।

6. **परिवहन प्रशासन सुधार -** ट्रैफिक कंट्रोल बोर्ड को अपग्रेड कर यूनिफाइड मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (UMTA) बनाने का प्रस्ताव। इससे बेहतर समन्वय और कुशल शहरी गतिशीलता प्रबंधन सुनिश्चित होगा।

गरिमा स्वामी
वरिष्ठ प्रबंधक–परियोजना

भारत के शहरी विकास में कृत्रिम बुद्विमत्ता (AI) की महत्वपूर्ण भूमिका

आज शहरीकरण की तेज गति में कृत्रिम बुद्विमत्ता (AI) भारत के शहरी विकास का प्रमुख स्तंभ बन चुकी है। बढ़ती जनसंख्या, संसाधनों की कमी और बुनियादी ढांचे की चुनौतियों के बीच AI स्मार्ट सॉल्यूशंस प्रदान कर रही है। नगर निगमों और शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) के लिए यह प्रौद्योगिकी परियोजना प्रबंधन, सेवा वितरण और सतत् विकास को क्रांतिकारी रूप दे रही है।

शहरी योजना और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में AI का उपयोग ट्रैफिक प्रबंधन, भूमि उपयोग विश्लेषण और बुनियादी ढाचें की निगरानी के लिए हो रहा है। GSI मैपिंग के साथ एआई शहरी विस्तार की भविष्यवाणी करता है जिससे डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) तैयार करना आसान हो जाता है। भारत सरकार की स्मार्ट सिटी मिशन में AI से एकीकृत कमांड सेंटर कार्यरत है जो वास्तविक समय डेटा पर निर्णय लेते हैं।

स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन में ए आई स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) को मजबूत बना रही है। AI संचालित ऐप्स कचरा संग्रहण मार्ग अनुकूलित करते हैं जिससे ईंधन बचत और प्रदूषण में कमी आती है। इंदौर जैसे शहरों में ए आई ने स्वच्छता रैंकिंग में शीर्ष स्थान दिलाया। जल आपूर्ति और सीवेज प्रणालियों में पूर्वानुमानित रख–रखाव से रिसाव 20–25% कम हो गए हैं जो सीपीएचईईओ मानकों को पूरा करता है।

परिवहन और सार्वजनिक सेवाओं में AI सार्वजनिक परिवहन का कुशल बनाती है। मेट्रो रेल और बस प्रणालियों में AI यात्री प्रवाह प्रबंधित करती है। नागरिक सेवाओं के लिए चैटबॉट्स और वर्चुअल असिस्टेंट शिकायत को त्वरित बनाते हैं जिससे ULB की दक्षता बढ़ती है। वित्तीय मूल्यांकन में AI से आईआरआर और डब्ल्यूसीसी गणना तेज हो जाती है जो HAM मॉडल परियोजनाओं के लिए उपयोगी है।

चुनौतियां जैसे डेटा सुरक्षा और डिजिटल विभाजन को दूर करने के लिए नेशनल एआई स्ट्रैटेजी नीतियां बना रही हैं। निष्कर्षतः AI शहरी विकास को समावेशी और सतत् बनाएगी। सरकारी पेशेवरों के रूप में हमें AI को अपनाकर शहरों को विश्वस्तरीय बनाना चाहिए। भारत के शहरी सपने को साकार करने में AI हमारा सहयोगी है।

हुकुम सिंह
वरिष्ठ प्रबंधक–परियोजना

कभी खुद के साथ भी बैठिए (मौन)

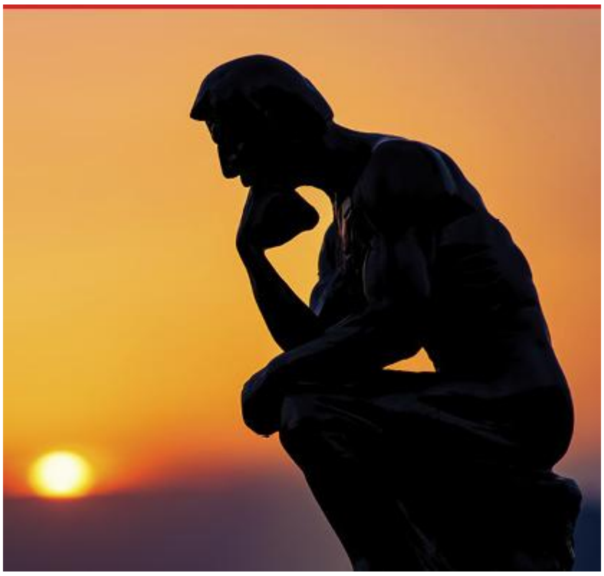

प्रत्येक स्थान और समय बोलने के योग्य नहीं होते। बुद्धि में चलायमान विचारों की पुनरावृत्ति वाणी से अवश्य किया जाए ऐसा जरूरी नहीं। मौन रहना सीखिए अनावश्यक ऊर्जा खर्च न करें। जब व्यक्ति चुप रहता है तो उसकी स्वयं से बात हो जाती है। वक्त बे–वक्त बड़बोड़ा होने से बचें। मौन रह जाना बुरी बात नहीं। इससे आत्मिक उन्नति और शक्ति प्राप्त होती है। मौन और प्रार्थना दोनों से भाग्य तक बदला जा सकता है फिर स्वास्थ्य क्या चीज है। बाण से छूटा तीर और मुहँ से निकले शब्द दोनों वापस नहीं लौटते। अधिक बोलना तकलीफ देह हो सकता है।

मौन बातचीत की एक महान् कला है। बोलने में समझदारी से काम लेना वाकपटुता से अधिक अच्छा है। वाणिक आचार–विहार हेतु मौन का अभ्यास व प्रयोग करते रहना चाहिए। मौन रहकर ही पूर्व में किए गए कार्यों पर विचार किया जाना चाहिए। कुछ घंटों का मौन भी बहुत लाभकारी हो सकता है। कर्म होते रहें और अभ्यास होते रहें तो कुछ भी कठिन नहीं। ऊर्जा के व्यर्थ बहने से बचाव होता है। मौन रहने से बिगड़ते काम तथा व्यवहार सुधर जाते हैं, संवेदनशीलता बढ़ती है, दृष्टि, सोच व भावनाओं में बदलाव हो जाता है अर्थात् मौन कई विपदाओं से बचा लेता है। हास्य का पात्र बनने से अच्छा है मौन रहना सीखा जाए। समझ से बाहर होने पर चुप रहना ही श्रेष्ठ है। कितना अर्थहीन और कितना सारगर्भित बोलते हैं इसकी अनुभूति होने के बाद आत्ममंथन स्वतः हो जाता है।

स्वयं को सिद्ध करने के लिए झगड़ा व विवाद से बचने में मौन अत्यंत सहायक है। अनेक बार स्वयं के बोले गए शब्दों पर खेद होता है। आवश्यकतानुसार बोलने पर 90 प्रतिशत झगड़े स्वयं खत्म हो सकते हैं। उतना ही बोलने का प्रयास हो कि जितना बोलने से काम भर चल जाए। भविष्य की भावना से अधिक जीते हैं, सोते, जागते, चलते चिंता में डूबे हैं इसलिए निराशावादी अधिक रहते हैं। मौन वर्तमान का दृष्टाभाव कराता है जिससे सकारात्मक प्रवृत्ति बढ़ती है। चंचलता के कारण दिन में अनेक बार झूठ बोले जा सकते हैं जोकि नकारात्मक ऊर्जा का उत्पादक है। मौन से कायाकल्प हो जाता है। असीम शांति, प्रेम और आनन्द हासिल किया जा सकता है और अनेक दुर्गणों, दुष्प्रभावों, समस्याओं और दुःखों से बचा जा सकता है। मौन रहने वाला व्यक्ति अधिक बुद्धिमान जाना जाता है।

खामोशी!चुप!चुपचाप और मौन सभी बुद्धिमानी का सबूत है। व्यक्ति को चुप रहने और बोलने के समय का अंतर पहचानना आना चाहिए। शांत–चित्त व मौन के प्रभाव में रहकर कभी स्वयं की जाँच करे तो स्वयं ही स्वयं की कमियां देख पाएंगे जिससे कई बातों में सुधार की गुंजाईशे खुद–ब–खुद बढ़ जाती है क्योंकि स्वयं का मूल्य जिस दिन पहचान लिया उसी दिन से अपना मूल्य समझ आने लगता है।

उम्र बढ़ने की प्रक्रिया रूक जाती है जब गुरूत्वाकर्षण से बाहर हो जाते है। शरीर पर निश्चित दबाव निरन्तर पड़ता है जिसके कारण जमीन निरंतर हमें खींचे रहती है शरीर की गतिविधियां भी अनवरत चलती रहती है किन्तु साथ ही साथ इस गुरूत्वाकर्षण रूपी खिंचाव से लगातार लड़ाई भी अप्रत्यक्ष रूप से होती रहती है। व्यक्ति की अधिकतम ऊर्जा इस लड़ाई में खिंच रही है अर्थात् बहुत अधिक ऊर्जा खर्च हो रही है।

ऊर्जा का क्षय होने से रोकने के लिए सबसे अच्छा, सरल व सुलभ माध्यम बंद ऑखों से मौन का अभ्यास करते रहना है। मौन व ध्यान अवस्था में शरीर गुरूत्वाकर्षण से बाहर नहीं किन्तु मन इसके प्रभाव से बाहर हो जाता है और ऊर्जा का संचालन नीचे धरती की ओर अधोगति न होकर उर्द्धवगति होने लगता है जिससे उम्र का प्रभाव शीघ्र दृष्टिगत नहीं हो पाता है।

कुदरत के इशारों को समझे व उनका पालन करें। सूरज कभी यह नहीं जताता कि मैं ऊर्जा व रोशनी सारे संसार को देता हूँ। चाँद–सितारें अपनी चमक के लिए कभी नहीं इठलाते। जमीन कभी नहीं कहती कि मैं संसार का पोषण करती हूँ और नदी भी यह नहीं जताती कि सबको मैनें जल दिया। प्रकृति कभी नहीं जतलाती कि मैं ही पालनकर्ता हूँ। सब चुप है और चुप रह कर अपना–अपना कार्य कर रहे है। प्रातः तथा सायंकालिक भ्रमण से शरीर व मन दोनों स्वस्थ रहते है। प्रकृति के सामीप्य में विचरण करते हुए वैचारिक मौन पर विराम लगाकर भ्रमण करें। मौन का अभ्यास मन की शक्ति व सामर्थ्य बढ़ाकर सकारात्मक ऊर्जा में अभिवृद्धि करता है। स्वास्थ्य सुधार व याददाश्त में वृद्धि, स्वयं के प्रति एकाग्रता, जागरूक व सचेत करती है मौन अवस्था जिससे शारीरिक व मानसिक गतिविधियां नियंत्रित रहती है। अविवेकपूर्ण व बिना सोचे–समझे कार्य करने से व्यक्ति स्वयं को रोक पाता है। प्रकृति की मूक वार्तालाप सुने! बोले कुछ नहीं! तथा

बिलावजह वार्तालाप से बचे और अपना मुँह बंद रखना सीखें। सदैव योग में भी किसी भी क्रिया को करते समय मौन को अधिक महत्त्व दिया गया है। जब हम भीतर से खाली होंगे तभी प्रकृति की ताकत भीतर समाहित हो सकेगी। वाणी के असंतुलन से व्यक्ति मानसिक रूप से चिड़चिड़ा व समस्याग्रस्त हो जाता है। शारीरिक रूप से प्यास की अधिकता, गला बैठ जाना, कण्ठ का सूखना, छाती में दर्द व बैचेनी आदि अनेक व्याधियों से पीड़ित हो जाता है। यह नहीं भूलना चाहिए कि शारीरिक परिश्रम से अधिक बोलने में अधिक श्रम लगता है। गुस्से पर काबू रखने के प्रयोगों का प्रारम्भ बचपन से ही हो जाना चाहिए।

उतावलापन, अधीरता और गुस्सा ऐसी चीजे है कि इनके आवेग में कुछ भी उल्टा–सीधा बोल दिया जाता अथवा कर दिया जाता है किन्तु मौन के साथ शब्दों को तोलकर बोला जा सकता है और यही समझदारी का सूचक भी है। बात करने में निपुणता के लिए सबसे पहले जरूरी है कि सामने वाले की भी ध्यान से सुने। मुँह को बंद रखकर संतुलित बुद्धि से काम किया जा सकता है क्योंकि अधिक बोलने से गलत बातें निकलने की संभावना अधिक बलवती रहती है। अच्छा बोलने के लिए अच्छा सुनना जरूरी है जिस हेतु प्रयास, प्रयोग और अभ्यास बचपन से ही प्रारम्भ हो जाने चाहिए। मौन के अभ्यास के लिए निरन्तर दीर्धश्वास के प्रयोग चलते रहें।

दिन में स्वयं का आँकलन एक बार जरूर करें कि आज कितनी अर्नगल बातों पर बार–बार विचार किया, दोहराया गया, व्यर्थ बहस, क्रिया–प्रतिक्रिया की गई और इन सबका परिणाम क्या हुआ। सोचें और देखें। सब कुछ स्पष्ट हो जाता है। इसी प्रकार जिंदगी के पन्नें भी एक बार पलट कर देख लें कि कब–कब कितना–कितना अत्याचार खुद पर किया और बदले में कमाया बहुतेरा तनाव, चिंता, अवसाद, मानसिक उलझनें, अनिद्रा, उच्च रक्तचाप व अन्य रोग। कितना कमाया और कितनी ऊर्जा समाप्त की सबका विश्लेषण एक बार जरूर करें।

प्रश्न उठता है कि मौन का अभ्यास कैसे करें? सबसे सरल बात है कि चुप रहने का अभ्यास प्रारम्भ कर देना चाहिए। अपनी श्वास को ही सुनने की आदत सर्वप्रथम डाल लें। साक्षी व समभाव रहकर कार्यविधि करें। सोचें नहीं और कहें नहीं। मन में चुप्पी का अभ्यास करते रहने से शरीर, चेहरा व आँखों से मौन झलकने लगता है। ज्ञानेन्द्रियों में स्थिरता आती है। अन्तःकरण शुद्ध होता है। काम, मोह, लोभ, भय, क्रोध, चिंता, आतुरता व व्यग्रता नहीं पनप पाती। सकारात्मक सोच के साथ जागरूकता का विकास होता है। सुखद निद्रावस्था प्राप्त होकर रोग प्रतिरोधक क्षमता में प्रकृतिशः वृद्धि होती है।

बोलने से हम संसार से जुड़ते हैं और मौन से खुद से जुड़ते है। आज ज्यादा से ज्यादा बोलने व विचारों से बातें करने का अभ्यास अधिक रह गया है और चुप रहना, कम बोलना या मौन रहना भूल से गए है। असंतुलित व असंयमित जीवन शैली में हम खुद को बिल्कुल भूल रहे है और याद आती भी है तो तब आती है जब शरीर की जीवनी शक्ति का ह्रास प्रारम्भ होने लगता है व रोगग्रस्त होने लगता है। तब तक बहुत सारी शारीरिक व मानसिक बीमारियों व व्याधियों से घिर चुके होते है।

रोज 10 मिनट बिना विचारों व वार्तालाप के स्वयं के साथ बैठिए। संगीत, पुस्तकें, मोबाईल, टीवी को कुछ मिनटों के लिए खुद से दूर रख कर शारीरिक व मानसिक तौर पर जो चल

रहा है उसे देखते चले...रूकना कहीं नहीं... देखते चले... वार्तालाप बिल्कुल न हों।

सब चलचित्र की भांति आएंगे और एक–एक करके सब चले जाएंगे। अभ्यास होने पर मौन सफल हो जाएगा। सारे विचार धीरे–धीरे खत्म होने लगेंगे। इनके लेन–देन व आवागमन से कोई वास्ता न हो। विचारों का शांत होना जरूरी है। विचारों की पकड़ को छोड़िए इन्हें पकड़ने की आदत न डालें। अर्नगल विचारों को शून्य करें। प्राण शक्ति का व्यर्थ व्यय रोकिएं। मौन के अभ्यास से एक ओर शब्दों का प्रयोग अच्छा किया जा सकता है तो दूसरी ओर अधिक बोल कर मुसीबत मोल लेने से बचा जा सकता है। जुबान को वश में रखकर कम बोलना, नहीं बोलना या जितनी आवश्यकता हो उसी अनुरूप वार्तालाप करना भी मौन के सदृश्य उपचार है। मन को स्थिर रखते हुए बुरे विचारों का त्याग करते रहने का अभ्यास चलते रहना चाहिए।

सोचें!समझे!विचारें! और तब बोलें! बिना मांगे दी गई क्रिया–प्रतिक्रिया का कोई विशेष मूल्य नहीं होता। ऊर्जा की क्षति रूकनी चाहिए। जितना आवश्यक है उतना ही बोलने की आदत डाल लेनी चाहिए। अच्छे विचार मौन से ही उत्पन्न हो पाते है। मानसिक शांति के लिए अच्छा समाधान मौन है। अनावश्यक वाद–विवाद तथा तर्क मानसिक संतुलन बिगाड़ देता है। चुप रहे!शांत रहे! मौन रहे! आनंदित रहे!

डॉ प्रकाश जैन
वरिष्ठ प्रबंधक–प्रशासन

मैं खुश हूँ

जिन्दगी है छोटी, हर पल में खुश हूँ
काम में खुश हूँ, आराम में खुश हूँ
आज पनीर नहीं, दाल में खुश हूँ
आज गाड़ी नहीं, पैदल ही खुश हूँ
आज कोई नाराज है,
उसके इस अंदाज से ही खुश हूँ
जिसको पा नहीं सकता,
उसको सोच कर ही खुश हूँ
बीता हुआ कल जा चुका है,
उसकी मीठी याद में ही खुश हूँ
आने वाले कल का पता नहीं
इंतजार में ही खुश हूँ
हंसता हुआ बीत रहा है पल,
आज में ही खुश हूँ
जिंदगी है छोटी,
हर पाल में खुश हूँ
अगर दिल को छुआ तो जवाब देना
वरना बिना जवाब के भी खुश हूँ

अनिल कुमार खण्डेलवाल
सहायक महाप्रबंधक–वित्त

दैनिक कार्यालय कार्यों में एआई का उपयोग – सटीकता, समय प्रबंधन और बेहतर निष्पादन की दिशा में एक सहायक कदम

भूमिका

डिजीटल परिवर्तन के इस युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कार्यप्रणाली का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा बनता जा रहा है। एआई का प्रभाव केवल तकनीकी कार्यों तक सीमित नहीं है बल्कि यह निर्णय–निर्माण, दस्तावेजीकरण और कार्य निष्पादन की गुणवत्ता को भी बेहतर बना रहा है। सही दृष्टिकोण के साथ अपनाया गया एआई न केवल कार्यों को तेज बनाता है बल्कि सटीकता और समय प्रबंधन में भी उल्लेखनीय सुधार लाता है।

कार्यालय कार्यों में एआई की भूमिका

दैनिक कार्यालय कार्यों जैसे डेटा विश्लेषण, रिपोर्ट तैयार करना, फाइल नोटिंग का प्रारूपण, बैठकों का संक्षेपण तथा कार्य प्रगति की निगरानी में एआई एक प्रभावी सहायक के रूप में कार्य करता है। यह बड़ी मात्रा में जानकारी को कम समय में संसाधित कर मानवीय त्रुटियों की संभावना को कम करता है और कार्यों में एकरूपता सुनिश्चित करता है। इससे कार्य की गुणवत्ता बढ़ती है और निर्णय अधिक तथ्यात्मक व समयबद्ध बनते हैं।

समय प्रबंधक और कार्य दक्षता

एआई का सबसे बड़ा योगदान समय प्रबंधन के क्षेत्र में देखा जा सकता है। नियमित और दोहराए जाने वाले कार्यों के स्वचालन से अधिकारियों को रणनीतिक सोच, परियोजना, योजना, समन्वय और विश्लेषण जैसे महत्त्वपूर्ण कार्यों के लिए अधिक समय मिल पाता है। इस प्रकार एआई मानव क्षमता को प्रतिस्थापित नहीं करता बल्कि उसे अधिक प्रभावी बनाता है।

विचारों की स्वतंत्रता और रचनात्मकता

यह अत्यंत आवश्यक है कि एआई का उपयोग व्यक्ति की सोच और रचनात्मकता को सीमित न करें। एआई को एक सहायक उपकरण के रूप में अपनाने से विचारों का दायरा विस्तृत होता है, विभिन्न विकल्पों पर शीघ्र विचार संभव होता है और निष्पादन अधिक सुव्यवस्थित बनता है। एआई विचार उत्पन्न करने में सहायक हो सकता है किंतु अंतिम निर्णय और दृष्टिकोण मानव विवेक पर आधारित होना चाहिए।

संतुलन की आवश्यकता

एआई पर अत्यधिक निर्भरता से कार्य की मूल समझ कमजोर होने का जोखिम रहता है। यदि किसी कार्य की समग्र समझ के बिना केवल एआई पर भरोसा किया जाए तो व्यक्ति की विश्लेषणात्मक क्षमता और विषयगत पकड़ प्रभावित हो सकती है इसलिए यह आवश्यक है कि पहले कार्य को समग्र दृष्टिकोण से समझा जाए और फिर एआई का उपयोग निष्पादन को बेहतर बनाने के लिए किया जाए।

निष्कर्ष

एआई मानव द्वारा विकसित एक ऐसा उपकरण है जिसका उद्देश्य कार्यों को सरल बनाना और लोगों की सहायता करना है। विवेकपूर्ण और संतुलित उपयोग के माध्यम से एआई दैनिक कार्यालय कार्यों में सटीकता, समय प्रबंधन और कार्य गुणवत्ता को नई ऊँचाईयों तक ले जा सकता है। मानव विचार, अनुभव और निर्णय को केन्द्र में रखते हुए एआई को सहायक के रूप में अपनाना ही एक सक्षम, कुशल और सकारात्मक कार्य–संस्कृति का आधार है।

सुप्रिया
प्रशिक्षण अधिकारी–परियोजना

अंग्रेजी से हिन्दी

अंग्रेजी शब्द	हिन्दी शब्द
Cheque	धनादेश
Chai	उष्णपेय
Train	लौहपथ गामिनी
Petrol	शिलातैल
College	महाविद्यालय
University	विश्वविद्यालय
Ambulance	रोगी वाहन
Railway Station	लौहपथ गामिनी विश्राम स्थल
Police	राजकीय जन रक्षक
Cricket	गोल गट्टम लकड़ पट्टम दे दनादन प्रतियोगिता
Bank	अधिकोष
Password	कूट शब्द
Computer	संगणक
Mobile	सचल दूरभाष यंत्र
Computer	गणक

जरा हटके—अच्छे बच्चे? जब अच्छाई सवाल न करने की आदत बन जाए

जब अच्छाई सवाल न करने की आदत बन जाए

हमारे समाज में "अच्छा बच्चा" होने की एक तयशुदा परिभाषा है—जो बड़ों की बात बिना सवाल माने, जो परंपराओं पर अंगुली न उठाए, जो असहमति को मन में दबाकर चुप रहना सीख लें। अक्सर यही चुप्पी संस्कार कहलाती है और यही आज्ञाकारिता अच्छाई का प्रमाण मान ली जाती है लेकिन क्या सच में हर बात को बिना समझे मान लेना ही अच्छाई है? या फिर यह एक ऐसी आदत बनती जा रही है जो सोचने और सवाल करने की क्षमता को धीरे—धीरे कुद कर देती है?

परंपरा और रूढ़ि को अक्सर एक ही समझ लिया जाता है जबकि दोनों में बुनियादी अंतर है। परंपरा वह विरासत है जो हमें हमारी संस्कृति और मूल्यों से जोड़ती है जबकि रूढ़िया वे मान्यताएँ हैं जिन्हें समय के साथ बिना तर्क और बिना प्रश्न किए अपनाया जाता रहा है—भलें ही वे आज के संदर्भ प्रासंगिक हो या नहीं। समस्या परंपरा से नहीं बल्कि उस अंधे पालन से है जहाँ सोचने की गुंजाइश ही नहीं बचती।

आज के बच्चे और युवा पहले की पीढ़ियों से अलग है। वे पढ़े—लिखे हैं, जागरूक हैं और जानकारी तक उनकी पहुँच कहीं अधिक है। वे अधिकतर रूढ़ियों पर विश्वास नहीं करते, उनके पीछे जो तर्क उन्हें दिया जा रहा है, वे जानते हैं कि वह किसी भी तरह से सही नहीं है परन्तु फिर भी उनका पालन करते जाते हैं, इसलिए नहीं कि वे उन्हें सही मानते हैं बल्कि इसलिए कि वे टकराव से बचना चाहते हैं। बड़ों को दुखी नहीं करना चाहते और "अच्छो बच्चे" की छवि बनाए रखना चाहते हैं।

उदाहरण के लिए मासिक धर्म के दौरान लड़कियों का मंदिर न जाना या और भी बहुत सारी बेतुकी मान्यताओं के बारे में—आज की अधिकांश युवा लड़कियाँ जानती हैं कि यह मासिक धर्म कोई अपवित्र अवस्था नहीं बल्कि एक प्राकृतिक जैविक प्रक्रिया है फिर भी वे उन दिनों मंदिर नहीं जाती। तुलसी के पौद्ये को पानी नहीं देती क्योंकि माँ ने मना किया है, क्योंकि घर में हमेशा से ऐसा होता आया है, क्योंकि समाज यही अपेक्षा करता है।

इसी तरह व्रत और उपवास। कई युवा लड़के—लड़कियाँ व्रत रखते हैं लेकिन उन्हें यह स्पष्ट नहीं होता कि उसका उद्वेश्य क्या है। ये

सब आस्था के कारण नहीं बल्कि आज्ञाकारी बने रहने के कारण क्योंकि वही अच्छे बच्चे?

आस्था अपने आप में गलत नहीं है। गलत है उसे बिना समझे अपनाना। जब आस्था विश्वास से नहीं बल्कि डर से जन्म लेती है तो वह मजबूरी बन जाती है। हमारा समाज पत्थर युग से कम्प्यूटर युग तक आ पहुंचा है और हमने बड़ी ही कुशलता से नई जीवन शैली अपनाई है।

कहावत है कि "समाज उन लोगों की वजह से खराब नहीं होता जो बुरा करते हैं बल्कि उन लोगों की वजह से खराब होता है जो सब कुछ जानते हुए भी चुप रहने का आसान रास्ता चुनते हैं"।

अगर हम चाहते हैं कि हमारी परम्पराएं जिंदा रहें तो हमें रूढ़ियों को सवालों के दायरें में लाना होगा। आस्था हो–लेकिन के साथ। सम्मान हो–लेकिन डर के बिना क्योंकि जब

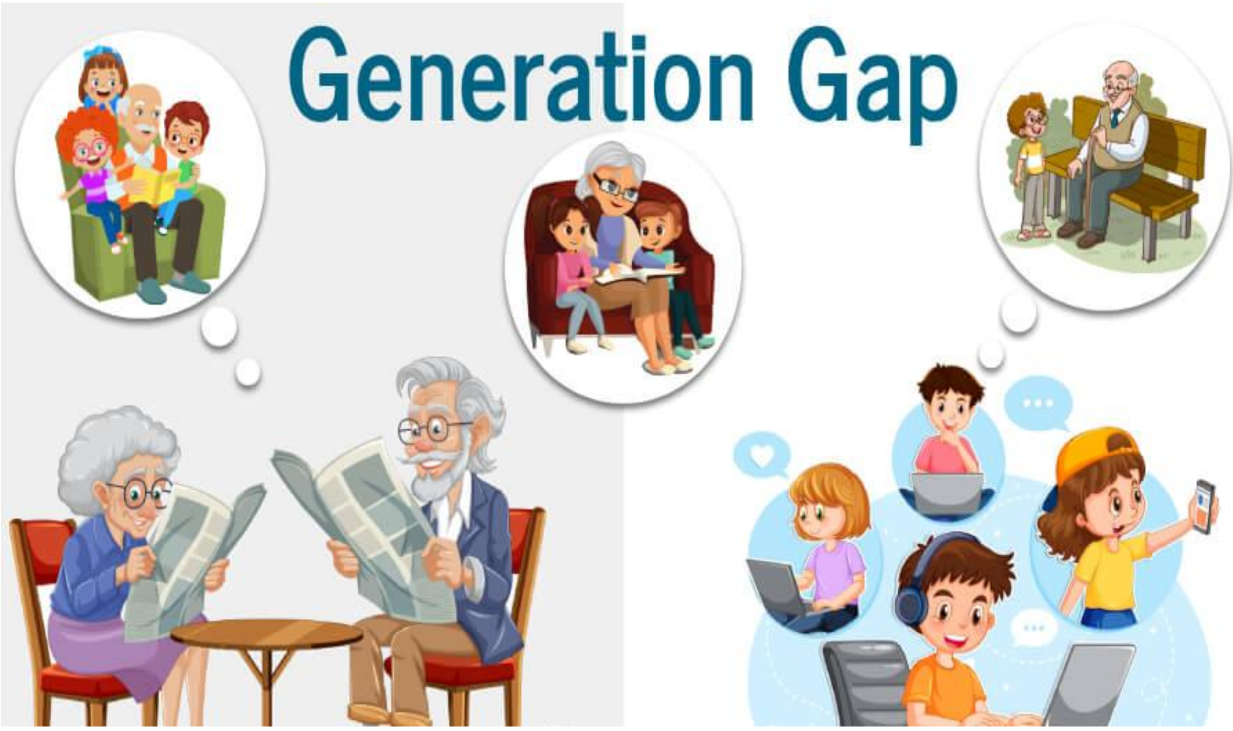

परिवर्तन समाज का नियम है परंतु हम पुरानी रूढ़ियों को छोड़ने या उनमें समयानुसार परिवर्तन करने को तैयार क्यों नहीं है। आज के बच्चे जो सब समझते हैं, जिनके पास पूरी दुनिया एक मोबाइल में कैद है, वे समाज के बनाए बेतुके नियमों को केवल टकराव से बचने के लिए क्यों मान रहे हैं।

तर्क करना विद्रोह नहीं है। तर्क करना अपमान नहीं है। तर्क करना सच जानने की ईमानदार कोशिश है। जो समाज तर्क करना छोड़ देता है, वह धीरे–धीरे सोचना भी छोड़ देता है। एक

अच्छाई सवाल न करने की आदत बन जाती है तब समाज भले शांत दिखे लेकिन भीतर से जड़ होने लगता है। समाज को अच्छे बच्चों की नहीं आत्मविश्वास से भरे बच्चों की जरूरत है जो इस दुनिया को आगे ले जा सकें न कि पीछे धकेलें। मुक्त संवाद ही इसका एकमात्र संवाद है।

अंजू गर्ग
वरिष्ठ प्रबंधक–सचिवीय

साहित्य ही समाज का दर्पण है

प्रत्येक साहित्य विद्वानों, लेखको, कवियों और विचारकों का तात्कालिक या वर्तमान समय के सन्दर्भ का भिन्न–भिन्न मंथन, अनुभव व मत का मंच है। साहित्य संस्कृति, व्यवहार, प्राथमिकता, आवश्यकता और विकास यात्रा का दर्पण है अर्थात् जिस दौर में जैसा चल रहा होता है वैसा ही दर्शन साहित्य में सुलभता से मिल जाता है। भिन्न–भिन्न दौर के ज्ञानियों और विदुषकों की विचार धाराएं, दृष्टिकोण तथा मानसिकताएं पृष्ठ पटल पर अंकित हो साहित्य का रूप धारण कर लेती है।

समय और संसार परिवर्तनशील है और इसी अनुरूप साहित्य का रूप अर्थात् दर्पण बदलता रहता है। सुविधा व सरलता अनुरूप उपलब्ध सामग्री और विषय–वस्तु के माध्यम से साहित्य का निर्माण व संचय हो जाता है।

साहित्य विविध विचारों की भावाभिव्यक्ति है। एक ओर पुरातन काल में पत्थर की चट्टानें, ताम्र पत्र, अभिलेख, हाथ से बने पत्रों पर प्राकृतिक रंग व स्याही का प्रयोग व धर्मशास्त्र का लेखन साहित्य के रूप में तात्कालिक समाज की वास्तविक स्थिति दर्शाता है तो दूसरी ओर विकास चक्र के क्रम–दर–क्रम प्रिंट मीडिया से समाज का वर्णन और बखान मिलता है तो आज वर्तमान में सोशल मीडिया पत्र पत्रिकाएं, समाचार–पत्र, दूरदर्शन, बायोग्राफी और आटो बायोग्राफी और विविध सूचना तंत्र आदि माध्यम हमारे व्यक्ति तथा समाज की स्थिति का प्रतिबिम्ब है जिनके माध्यम से हमें ज्ञात हो जाता है कि क्षेत्र, समाज, देश और विश्व में क्या हुआ और क्या चल रहा है और क्या होने जा रहा है। वर्तमान साहित्य नवीन संसाधन, खोज, कल्पना, नई तकनीकें, परिणामों और संभावनाओं का भावी प्रतीक होता है।

जिस समय जैसा समाज में चल रहा होता है वैसी ही तस्वीर साहित्य में देखने को मिलती है। क्या देखा? या क्या सुना? समय विशेष में उत्थान, दुर्दशा, बर्बरता, पतन, सम्पन्नता, विकास गति, व्यक्तियों के क्रिया कलाप या ज्वलंत मुद्धे आदि लेखकों, प्रेरकों और कवियों को लिखने को प्रोत्साहित करते है और फिर वहीं तस्वीर साहित्य में उतर कर उभर आती है।

किसी भी क्षेत्र के लोगों के विचार, रहन–सहन, संस्कृति, परिवेश, रीति–रिवाज, विचारधारा,

व्यवहार या आदतों की जानकारी वहाँ के साहित्य को देखने व पढ़ने से संबंधित समाज, देश या राष्ट्र विशेष का असली रूप, स्थिति अथवा छायादर्शन सुलभ हो जाता है।

प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में समाज का हर व्यक्ति कर्म व पुरुषार्थ के दृष्टिकोण से साहित्य का एक अंग होता है। साहित्य का दूसरा तात्पर्य सर्वस्व अर्थात् लोक हित करने वाला होता है।

साहित्य सुधारक है। यहाँ हानि–लाभ नहीं होता है केवल सुधार व विकास का प्रारम्भ और आयाम होता है क्योंकि साहित्य ही समाज का दर्पण है क्योंकि–

साहित्य सुंदर समाज का निर्माण है।

क्रांतिकारी परिवर्तन लाने में सक्षम है।

व्यवहारिकता का प्रसारक है।

जीवन मूल्यों व संवदेनशीलाता का मापदण्ड है।

दोस्त की भूमिका निभाता है।

सभ्यता और संस्कृति का रक्षा कवच है।

कुशल संवाद का माध्यम है।

अन्तःचेतना और पुनर्जागरण का सुगम माध्यम है।

नवाचार का माध्यम है।

साहित्य बिना समाज का चित्रण अधूरा रह जाता है। हर एक व्यक्ति दायित्व बोद्य रखकर सुन्दर, स्वच्छ समाज व राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए कर्तव्यनिष्ठ रहें और वर्तमान समाज की छवि के साहित्य को सुन्दर और निर्मल बनाने में अपना सहयोग सुनिश्चित करके नया इतिहास रचें।

मनीष कुमार
वरि. प्रबंधक–सचिवीय

अच्छा ज्ञान

Fall is not always a loss.
Fall gives rise to new growth
जब तक रास्ते समझ में आते हैं, तब तक लौटने का वक्त हो जाता है। यही जिंदगी है।

SUCCESS will never Lower its standard to accommodate us. We have to raise our standard to achieve it.
दुनिया का वास्तविक परिवर्तन बाहर से नहीं, भीतर से शुरू होता है। हमारी सोच ही वह बीज है जिससे हमारे शब्द, कर्म और हमारा पूरा व्यक्तित्व जन्म लेता है।

HAPPINESS is accepting and understanding the ups and downs in life.
जिंदगी हमारे रोने से शुरू होती है और दूसरों के रोने से खत्म होती है तो जितना हो सके इस कमी को हंसी से भरे।

The calmer you are, the clearer you think. Let your decisions come from a place of peace, not from reaction.
खुशी कोई लक्ष्य नहीं है बल्कि यह अपने कर्तव्य को ईमानदारी से निभाने पर मिलने वाला परिणाम है।

Good behavior does not have any monetary value but it has a power to urchase hearts of millions of people.
अच्छे लोग सड़कों पर लगे लैम्प की तरह होते है, वे हमारी यात्रा की दूरी को कम तो नहीं कर सकते.... लेकिन हमारे पथ को रोशन और यात्रा को आसान जरूर करते है।

संकल्प और दृढ़ निश्चय

वो कहते है ना–"जहाँ चाह वहाँ राह"

इस कहावत का अर्थ यही है कि यदि मन में ठान लिया जाए तो कोई कार्य असंभव नहीं रह जाता है।

भूमिका

मनुष्य के जीवन में सफलता का आधार केवल भाग्य नहीं है बल्कि उसका संकल्प और दृढ़ निश्चय होता है जो व्यक्ति अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मन, वचन और कर्म से लगनशील होता है, वही जीवन में आगे बढ़ पाता है। कठिनाईयाँ हर व्यक्ति के जीवन में आती हैं, परंतु जो व्यक्ति उन कठिनाईयों को पार कर अपने उद्देश्य की ओर बढ़ने की शक्ति रखता है, वही सच्चे अर्थों में दृढ़निश्चयी कहलाता है।

दृढ़ संकल्प का अर्थ और महत्त्व

दृढ़ संकल्प का शाब्दिक अर्थ है–अपने लक्ष्य के प्रति अटल निश्चय। जब व्यक्ति किसी उद्देश्य को प्राप्त करने का ठान लेता है और रास्ते में आने वाली कठिनाईयों के बावजूद अपना प्रयास जारी रखता है तो उसे दृढ़ संकल्प कहा जाता है। यह केवल एक विचार नहीं बल्कि निरंतर प्रयास और आत्मविश्वास का संगम है।

जीवन में सफलता का कोई भी मार्ग सरल नहीं होता। हर सफलता के पीछे संघर्ष, परिश्रम और धैर्य छिपा होता है। ऐसे समय में दृढ़ संकल्प व्यक्ति को टूटने नहीं देता। यह उसे बार–बार गिरने के बाद भी उठकर आगे बढ़ने की शक्ति देता है।

दृढ़ निश्चय की शक्ति

दृढ़ निश्चय में वह शक्ति होती है जो असंभव को संभव बना देती है। इतिहास साक्षी है कि जिन लोगों ने दृढ़ निश्चय किया, उन्होनें असंभव लगने वाले कार्यों को भी पूरा कर दिखाया। महात्मा गांधी ने भारत की स्वतंत्रता का संकल्प लिया और उसे सत्याग्रह व अहिंसा के माध्यम से साकार किया। स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय संस्कृति के गौरव को समूचे विश्व में फैलाने का निश्चय किया और उसे पूरा किया। ये उदाहरण है कि दृढ़ निश्चय व्यक्ति को महानता की ऊँचाईयों तक पहुँचा सकता है।

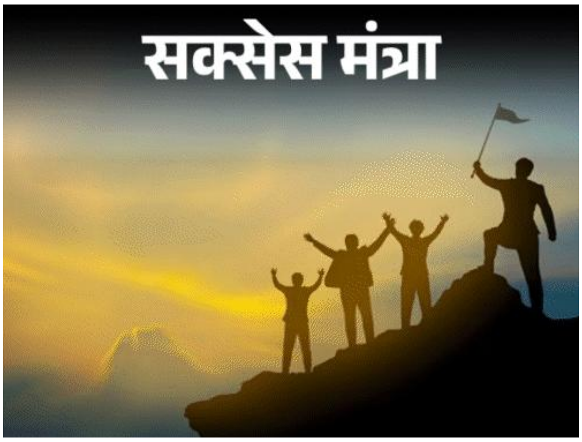

दृढ़ निश्चय और आत्मविश्वास का संबंध

दृढ़ निश्चय तभी प्रभावी होता है जब उसमें आत्मविश्वास का समावेश हो। यदि व्यक्ति को अपने लक्ष्य पर विश्वास न हो तो उसका निश्चय कमजोर पड़ जाता है। आत्मविश्वास मनुष्य को कठिन परिस्थितियों में भी टिके रहने की प्रेरणा देता है। एक आत्मविश्वासी व्यक्ति अपने मार्ग में आने वाली बाधाओं को अवसर में बदल देता है।

सफलता में दृढ़ निश्चय की भूमिका

सफलता किसी जादू का परिणाम नहीं है बल्कि निरंतर परिश्रम और दृढ़ निश्चय का नतीजा होती है। एक दृढ़ निश्चयी व्यक्ति असफलता से नहीं घबराता बल्कि उसे सीखने का अवसर मानता है। वह यह जानता है कि हर असफलता उसे सफलता के और निकट ला रही है।

जैसेकि थॉमस एडीसन ने हजारों बार प्रयास करने के बाद बल्ब का आविष्कार किया। उनका प्रसिद्ध कथन है–

"मैं असफल नहीं हुआ, मैनें बस हजार तरीकों को खोजा जो काम नहीं करते" यह कथन दृढ़ निश्चय की सर्वोत्तम मिसाल है।

वर्तमान समय में दृढ़ संकल्प की आवश्यकता

आज का युग प्रतिस्पर्धा का युग है। हर क्षेत्र में कड़ी प्रतिस्पर्धा है–चाहे वह शिक्षा हो, खेल हो, व्यवसाय हो या तकनीक। ऐसे समय में केवल प्रतिभा ही पर्याप्त नहीं है। दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास भी आवश्यक है।

आज के युवा कई बार असफलता या दबाव के कारण निराश हो जाते हैं। यदि उनमें दृढ़ संकल्प हो तो वे कठिन परिस्थितियों से बाहर निकल सकते हैं और अपने जीवन को सही दिशा दे सकते हैं।

दृढ़ संकल्प के प्रेरक उदाहरण

इतिहास में ऐसे कई महापुरूष हुए है जिन्होनें दृढ़ संकल्प के कारण कठिनाईयों को मात दी। भगत सिंह ने देश की आज़ादी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। डॉ अम्बेडकर का जीवन सामाजिक संघर्ष और दृढ़ संकल्प का अद्‌भुत उदाहरण है। सामाजिक भेदभाव और गरीबी के बावजूद उन्होनें शिक्षा को अपना हथियार बनाया और भारत के संविधान निर्माता बने।

आज हम ऐसे ही एक अद्‌भुत वर्तमान उदाहरण से प्रेरणा ले सकते हैं–ऑपरेशन सिंदूर। इस ऑपरेशन में भारतीय सैन्य बलों ने आतंकी ठिकानों और दुश्मन ढांचे को भारी क्षति पहुँचाई, आतंकवादी नेटवर्क और उसके सहयोगियों को कमजोर किया और राष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखी।

यह उदाहरण स्पष्ट रूप से दिखाता है कि किस प्रकार दृढ़ संकल्प और साहस देश के लोगों को कठिन परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति देता है और उनके अदम्य साहस को सम्मान मिलता है। ऐसे वीरों के निर्णय और बलिदान हमें यह सिखाते हैं कि दृढ़ संकल्प से परिस्थितियों को भी बदला जा सकता है।

निष्कर्ष

दृढ़ निश्चय ही जीवन की सफलता की कुंजी है। वह व्यक्ति को आत्मविश्वासी, मेहनती और

धैर्यवान बनाता है। संकल्प के बिना कोई भी लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता।

आज की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में सफलता उन्हीं को मिलती है जो अपने उद्देश्य के प्रति अडिग रहते हैं। अतः हमें अपने जीवन में संकल्प, आत्मविश्वास और दृढ़ निश्चय को अपनाना चाहिए। यही मानव जीवन का सच्चा सार है।

संक्षेप में कहा जाए तो–"संकल्प वह दीपक है जो अंधकार मं भी राह दिखाता है"।

सलोनी चौखरा
प्रबंधकन प्रशिक्षु

मैं पत्रकार हूँ

मैं पत्रकार हूँ
मैं पत्रकार हूँ
आदतन लाचार हूँ
सच्ची खबर देता हूँ
भ्रष्टाचारियों को करता हूँ बेनकाब
अपराधियों को नहीं करता स्वीकार हूँ
मैं पत्रकार हूँ

लोकतंत्र हेतु लड़ता हूँ
हर वक्त खतरे से खेलता हूँ
कभी नहीं किसी से डरता हूँ
नेताओं का करता बंटाधार हूँ
मैं पत्रकार हूँ

शासन–प्रशासन पर कड़ी नज़र रखता हूँ
माननीयों के आगे कभी नहीं झुकता हूँ
हर अन्याय का सदा–सर्वदा करता प्रतिकार हूँ
मैं पत्रकार हूँ

झूठ का करता पर्दाफाश हूँ
सिर्फ सत्य से रखता सरोकार हूँ
मैं जन–मन का विश्वास और संविधान का चौथा आधार हूँ
मैं पत्रकार हूँ

मैं भेदभाव से अपने को सदा रखता दरकिनार हूँ
जन–जन की आकांक्षाओं को करता साकार हूँ
मैं अपना काम करता सतत् निर्विकार हूँ
मैं पत्रकार हूँ

जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय
में
सम्पादित विभिन्न आयोजनों
का विवरण

जयपुर की पुराने
समय की फोटो

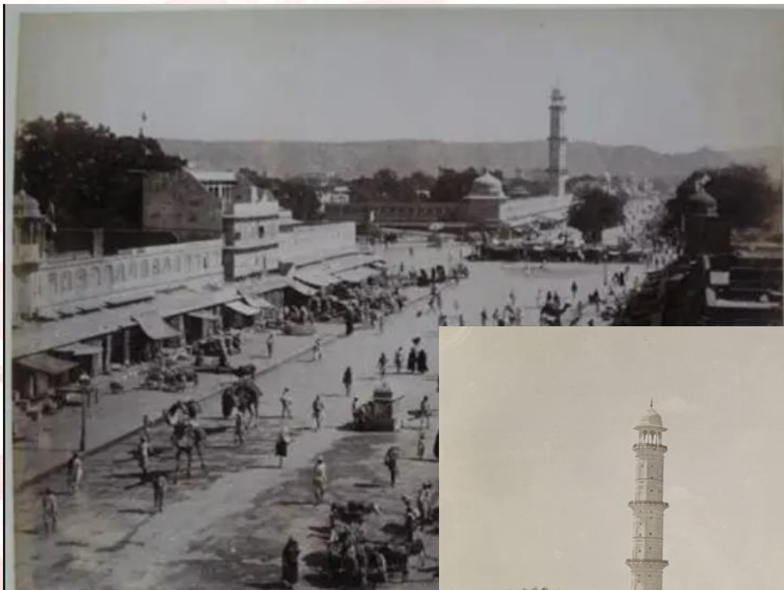

जयपुर की हाल की फोटो

भावपूर्ण श्रद्धांजली

स्व. श्री कृष्ण कुमार भटनागर, **IAS (Retd.)**

(भूतपूर्व अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक – हडको)

(21.10.1938 - 27.03.2026)

हमारे प्रिय आदरणीय श्री के. के. भटनागर, Retd. IAS, पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, हडको के निधन की सूचना मिली। यह परिवार और समाज दोनों के लिए बड़ी क्षति है। उनके संस्कार, सरलता और कार्य के प्रति समर्पित भावना ने हमें निरन्तर अग्रिम राह दिखाई। उनकी अनुपस्थिति हमेशा महसूस होगी। उनका आदर्श जीवन हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।

स्वर्गीय श्री के. के. भटनागर ने हडको के लिए जो उत्कृष्ट सेवाएँ दी हैं, उन्हें हमेशा याद रखा जाएगा। उनका निधन हडको के लिए एक अपूर्णीय क्षति है।

मैं समझ सकता हूँ कि यह आपके और आपके परिवार के लिए एक कठिन स्थिति है। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूँ कि वह दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और आपको इस महान क्षति को सहन करने और इससे जल्द ही उबरने का साहस प्रदान करें।

संजय कुलश्रेष्ठ
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, हडको

हडको का 55वां स्थापना दिवस का आयोजन

हडको का 55वां स्थापना दिवस जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा जय महल पैलेस में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्री के. के. भटनागर, पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री हर्ष बवेजा, निदेशक–वित्त, रीइल, नगर निगम, जयपुर, राज्य सरकार के जल जीवन मिशन, ऊर्जा, वित्त विभाग के उच्चाधिकारीगण तथा हडको कर्मियों, सेवानिवृत्त कर्मियों एवं परिवारजन सहित इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भागीदारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय प्रमुख, जयपुर द्वारा अधिकारियों एवं अतिथियों का स्वागत किया गया।

श्री के. के. भटनागर, पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक–हडको द्वारा इस उपलक्ष्य पर हडको के स्थापना से लेकर अभी तक हुई प्रगति/उपलब्धियों पर अपने विचार व्यक्त किये तथा स्थापना दिवस पर हडको परिवार को बधाई देते हुए आने वाले वर्षो में हडको के नए आयाम को छूने की कामना की।

श्री हर्ष बवेजा, निदेशक (वित्त), REC द्वारा अपने सम्बोधन में कहा कि हडको में कार्यकाल के दौरान उनका अनुभव काफी अच्छा रहा तथा आज जो भी वे है वे हडको की वजह से है। हडको की प्रगति से उनको काफी हर्ष का अनुभव होता है।

कार्यक्रम में हडको के कियाकलापों के कम में तथा राजस्थान राज्य में विगत चार वर्षो में किए गए कार्यो का प्रस्तुतीकरण (Presentation, running of Corporate film) किया गया।

टी बी उन्मूलन 100 दिवसीय कार्यक्रम अन्तर्गत टी बी रोग के कारण, माध्यम एवं उपचारात्मक औषधियों एवं इसके रोकथाम एवं बचाव के सन्दर्भ में भारत सरकार द्वारा प्रदत्त सुविधाओं एवं योजनाओं की जानकारी के लिए भिन्न–भिन्न गतिविधियां आयोजित किए जाने के साथ–साथ फोर्टिस हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टर्स की टीम के साथ कार्यशाला एवं व्याख्यान आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय त्यौहार स्वतंत्रता दिवस 2025

वेस्ट से सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगिता

जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम

“स्वच्छता ही सेवा”

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस – 2025

योग दिवस के तहत् आयोजित योग कार्यक्रम में सभी कर्मियों द्वारा डॉ दिलिप सहारन, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सक के मार्ग–दर्शन में मानसिक, शारीरिक, आध्यात्मिक तथा व्यवहारिक स्वास्थ्य के संदर्भ में कार्यालय के सभी कर्मियों द्वारा अच्छे स्वास्थ्य एवं मनोबल के लिए योगाभ्यास किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

International Training Programme under ITEC on "Towards Sustainable Urban Mobility in developing urban context" - Study tour to Jaipur (20th to 21st March 2026)

विदेश मंत्रालय (एमईए), भारत सरकार एवं हडको द्वारा **"Towards Sustainable Urban Mobility in development urban context"** विषय पर आयोजित भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) के अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 17 देशों से 22 प्रोफेशनल, आर्किटेक्ट, टाउन प्लैनर, इंजीनियर, प्रशासक, शहरी डिजाइनर, सामुदायिक विकास समाजशास्त्रियों ने भाग लिया।

इस वर्ष ट्रेनिंग कार्यक्रम अनुसार अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों का प्रतिनिधि मण्डल राजस्थान राज्य की विभिन्न आधारभूत संरचना जिसमें मुख्यतः Urban Mobility / Transport संबंधी योजनाओं का अध्ययन करने के कम में दिनांक 20.03.2026 से 21.03.2026 तक श्रीमती वर्षा पुन्हानी, कार्यकारी निदेशक (I/C), HSMI की अगुवाई में जयपुर के Study Tour पर रहा।

जयपुर में दो दिवस का कार्यक्रम निम्नानुसार रहाः—

दिनांक 20.03.2026 को आयोजित कार्यक्रम

जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन का दौरा

ट्रेनिंग कार्यक्रम के अंतर्गत जयपुर मेट्रा रेल कॉरपोरेशन के मुख्यालय में अधिकारियों द्वारा प्रस्तुतिकरण के माध्यम से परियोजना से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। तत्पश्चात मेट्रो के माध्यम से सफर करवाकर जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन का छोटी चौपड स्थित Museum का दौरा किया गया।

Presentation at JMRC

Metro Ride

Visit of Art Gallery

ट्रेनिंग कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न पर्यटक स्थलों का दौरा किया गया।

हवा महल

अल्बर्ट हॉल संग्रहालय

दिनांक 21.03.2026 को आयोजित कार्यक्रम

हडको जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय का दौरा

ओवरसीज प्रोफेशनल्स दल के हडको जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय में आगमन पर श्री सुधीर कुमार भटनागर, क्षेत्रीय प्रमुख के सानिध्य में सभी आगंतुकों का राजस्थानी संस्कृति व परम्परा के साथ स्वागत किया गया। ग्रीन सिटी के विकास के तहत ओवरसीज प्रोफेशनल्स दल के प्रत्येक सदस्य द्वारा **"हर वर्ष एक वृक्ष"** की भावना के साथ पौधा रोपित किया गया। साथ ही हडको जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों का प्रस्तुतीकरण दिया गया।

Visit – HUDCO Jaipur R.O.

Presentation on HUDCO – JRO contribution on development of Rajasthan

महिला दिवस आयोजन

जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस आयोजन में क्षेत्रीय कार्यालय की महिला कर्मियों व पुरूष कार्मिकों की पत्नियों द्वारा प्रतिभागिता की गई। इस दौरान महिलाओं के लिए भिन्न–भिन्न खेल गतिविधियां की गई फुटबॉल, बैडमिंटन, वालीबॉल, क्रिकेट, हाउजी आदि।

उक्त के अतिरिक्त कार्यक्रम में आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षक (Instructor) द्वारा योग / ध्यान का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें आमंत्रित अतिथि श्री राजेश शर्मा एवं रूचि शर्मा द्वारा महिलाओं के लिए बहु उपयोगी योगा / ध्यान के संबंध में जानकारी प्रदान की गई तथा इससे संबंधित व्यायाम व मेडिटेशन करवाया गया। साथ ही सभी महिलाओं द्वारा इस संबंध में अपने विचार व्यक्त किये गए।

जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय
महिला दिवस आयोजन

अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
दिनांक 22 मार्च 2026

खेल दिवस का आयोजन

जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा दिनांक 28.02.2026 को खेल दिवस आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में श्री बलदेव सिंह सौंई, पूर्व प्रमुख, श्री नरेश कुमार नाकरा, पूर्व क्षेत्रीय प्रमुख, श्री पी.आर. श्रीवास्तव पूर्व कार्यकारी निदेशक (परियोजना), श्री नरेश कुमार ठागरिया, पूर्व उप महाप्रबन्धक (आईटी) एवं हडको कर्मियों द्वारा परिवार सहित प्रतिभागिता की गई।

कार्यालय कार्मिकों के साथ परिवार के सदस्यों ने बड़े ही हर्षोल्लास के साथ अपनी प्रतिभागिता दी। स्पोर्टस डे पर भिन्न–भिन्न खेल गतिविधियां खेली गई कि क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन तथा हाऊजी आदि यह सब आनन्दित कर देने वाला आयोजन रहा जिसमें प्रत्येक सदस्य द्वारा सक्रिय रूप से अपनी–अपनी प्रतिभागिता दी गई।

hudco
एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय

******

हडको जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय समाचारों में

हुडको के जयपुर कार्यालय को मिला पुरस्कार

बेधड़क. जयपुर। हुडको ने दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में 55वां फाउंडेशन डे मनाया। इस अवसर पर जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय को वर्ष 2024-2025 के दौरान राजस्थान में व्यावसायिक योगदान के लिए 'आउटस्टेंडिंग परफॉर्मेंस इन बिजनेस ऑपरेशंस' पुरस्कार प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि जयपुर कार्यालय को लगातार चौथे वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया है। पुरस्कार जयपुर क्षेत्रीय प्रमुख सुधीर कुमार भटनागर ने ग्रहण किया। कार्यक्रम में नगरीय अधोसंरचना श्रेणी में आरएसआरडीसीसी और आरडब्ल्यूएसएससी को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन संस्था पुरस्कार मिला, जिसे कमर

हडको जयपुर को देश में सर्वश्रेष्ठ कार्यालय का पुरस्कार

जयपुर | हडको जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय को वित्तीय वर्ष 2024-2025 में रिकॉर्ड व्यवसाय के लिए देश का सर्वश्रेष्ठ कार्यालय चुना गया। यह पुरस्कार हडको के 55वें स्थापना दिवस पर 25 अप्रैल 2025 को नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबीटेट सेंटर में आयोजित समारोह में दिया गया। जयपुर कार्यालय के क्षेत्रीय प्रमुख सुधीर कुमार भटनागर ने यह सम्मान प्राप्त किया। जयपुर कार्यालय ने वर्ष 2024-2025 में राजस्थान में 12367.72 करोड़ के ऋण स्वीकृत किए। 7643.35 करोड़ की रिकॉर्ड ऋण राशि अवमुक्त की गई। इसी कार्यक्रम में अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर श्रेणी में RSRDCC और RWSSC को भी बेस्ट परफॉर्मिंग संस्था का पुरस्कार मिला। यह सम्मान कुमर यूआई ज़मान चौधरी, आईएएस, संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक, जल जीवन मिशन द्वारा प्रदान किया गया।

शहर की हलचल

आईटीईसी के 23 अंतरराष्ट्रीय अफसरों ने किया जयपुर मेट्रो का निरीक्षण

भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 23 अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों के प्रतिनिधि दल ने सतत शहरी गतिशीलता पर अध्ययन व चर्चा के लिए शुक्रवार को जयपुर मेट्रो का दौरा किया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वैभव गालरिया व महाप्रबंधक (परिचालन) करण सिंह मीणा ने बताया कि मानसरोवर मेट्रो डिपो सभागार में सदस्यों के साथ चर्चा सत्र हुआ। जयपुर मेट्रो की भूमिका के बारे में प्रेजेंटेशन दिया। प्रतिनिधियों ने मानसरोवर से छोटी चौपड़ तक मेट्रो यात्रा की।

मेट्रो परिचालन व पुरातात्विक वस्तुओं के बारे में ली जानकारी

अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि दल ने किया जयपुर मेट्रो का दौरा

जयपुर @ पत्रिका. भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आइटीईसी) कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों के प्रतिनिधि दल ने जयपुर मेट्रो रेल परियोजना का दौरा किया। 'टुवर्ड्स सस्टेनेबल अर्बन मोबिलिटी इन डेवलपिंग अर्बन कॉन्टेक्स्ट' विषय पर अध्ययन के लिए यह दल मानसरोवर मेट्रो डिपो पहुंचा, जहां प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मेट्रो की कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई। चर्चा सत्र के दौरान प्रतिनिधियों ने प्रश्नोत्तर के माध्यम से परिचालन व्यवस्था को समझा। इस अवसर पर परिचालन महाप्रबंधक करण सिंह मीणा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मानसरोवर से छोटी चौपड़ मेट्रो स्टेशन तक लिया यात्रा का अनुभव लिया

दल ने मानसरोवर से छोटी चौपड़ मेट्रो स्टेशन तक यात्रा कर सफर का अनुभव लिया। छोटी चौपड़ स्टेशन पर प्रतिनिधियों ने कला दीर्घा में संरक्षित ऐतिहासिक कुंड, गोमुख और अन्य पुरातात्विक वस्तुओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। मेट्रो अध्यक्ष वैभव गालरिया ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज्ञान के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

IMPARTING SKILLS ATDC IMPROVING LIVES

THE APPAREL TRAINING & DESIGN CENTRE

'The Apparel Training & Design Centre' (ATDC), a National level Vocational Training Institute with PAN India presence seeking applications for the following positions (on contract basis only) for its **Malviya Nagar and Sitapura Centres, Jaipur**. The details are as under:

Positions Open	Malviya Nagar	Sitapura
Principal	1	-
Lecturer	2	1
Instructor	2	2
Admin & Account, Assistant	1	-

Applications should be sent to hr@atdcindia.co.in within 7 days from the date of release of this notification.

For further details, please visit our website: @ www.atdcindia.co.in (Vacancy page).

हडको ने 54ईसी पूंजीगत लाभ बॉन्ड्स किए लाँच

लंबी अवधि के पूंजीगत लाभ पर मिलेगी टैक्स छूट

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। हाउसिंग एंड अर्बन डवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड हडको ने 54ईसी पूंजीगत लाभ बॉन्ड्स की शुरुआत की है। इस अवसर पर जय महल पैलेस, जयपुर में एक संवाद बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के निवेश विशेषज्ञों और वित्तीय सलाहकारों ने भाग लिया। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के अधीन सीबीडीटी की ओर से 7 अप्रैल को जारी अधिसूचना के अनुसार हडको को 54ईसी कैपिटल गेन टैक्स छूट बॉन्ड्स जारी करने की अनुमति प्रदान की गई है। इस मान्यता के साथ हडको उन चुनिंदा सार्वजनिक उपक्रमों में शामिल हो गया है जो निवेशकों के लिए टैक्स बचत का सशक्त माध्यम

हुडको ने मनाया 55वां स्थापना दिवस, जयपुर को 'बेस्ट परफॉर्मिंग रीजनल ऑफिस' सम्मान

एजेंसी/नवज्योति, नई दिल्ली। हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (हुडको) ने शुक्रवार को 55वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में मनाया। इस अवसर पर हुडको के जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय को वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान उल्लेखनीय कार्यों के लिए 'बेस्ट परपफॉर्मिंग रीजनल ऑफिस' का प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पुरस्कार हुडको के क्षेत्रीय प्रमुख सुधीर कुमार भटनागर द्वारा प्राप्त किया गया। जयपुर कार्यालय को राज्य में कुल 12367.72 करोड़ की ऋण स्वीकृति और 7643.35 करोड़ की ऋण विमोचन उपलब्धि के आधार पर यह सम्मान दिया गया। इसके अतिरिक्त हुडको द्वारा राजस्थान राज्य में संचालित परियोजनाओं आरएसआरडीसीसी व आरडब्ल्यूएसएससी को भी बेस्ट परफॉर्मिंग इंस्टिट्यूशन के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कमर उल जमान चौधरी आईएएसए संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक, जल जीवन मिशन द्वारा प्राप्त किया गया।

हडको जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय समाचारों में

मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय में शीतल जल के लिए 4 आधुनिक वॉटर कूलर भेंट

कोटा ब्यूरो न्यूज

कोटा 23 अक्टूबर। मेडिकल कॉलेज कोटा को सीएसआर एक्टीविट के अन्तर्गत हुडको द्वारा 100 लीटर क्षमता के 04 वाटर कूलर (लागत लगभग 4.80 लाख) भेंट किये गये। प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ0 संगीता सक्सेना ने बताया की चिकित्सालयों में समय-समय पर विभिन्न धर्मार्थ ट्रस्टों व संस्थानों द्वारा आमजन को शुद्ध व शीतल जल उपलब्धता हेतु अनेक जल मंदिर दानदाताओं द्वारा लगवाये जाते है। पहली बार चिकित्सा विद्यार्थीयों के लिये शुद्ध व शीतल पीने का जल उपलब्धता के लिए हुडको के प्रयासों से 4 अति-आधुनिक वाटर कूलर मय वी सिस्टम

प्योरिफायर चिकित्सा महाविद्यालय को भेंट किये जा रहे है। हुडको के वरिष्ठ प्रबंधक सुधीर भटनागर द्वारा आज 4 वाटर कूलर व प्योरिफायर चिकित्सा महाविद्यालय, कोटा को भेंट किये गये। जिसमें से 02 वाटर कूलर शैक्षणिक अनुभाग के प्रथम तल व द्वितीय तल पर, 01 वाटर कूलर परीक्षा हॉल तथा वाटर कूलर पी0जी0 छात्रावास मे स्थापित किया गया। उक्त जल मंदिरों का लोकार्पण आज भारतीय जनता पार्टी कोटा के जिला अध्ययक्ष राकेश जैन व प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ0 संगीता सक्सेना के कर कमलो द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय व चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. नीलेश कुमार जैन, अतिरिक्त प्रधानाचार्य द्वितीय डॉ0 दिनेश वर्मा, संमव्यक डॉ0 जयराम रावतानी व संकाय सदस्य डॉ0 मनोज सालूजा, डॉ. विनोद जांगिड, डॉ. पूजा खन्ना मालव, डॉ. उमेश कुमार, डॉ. सौरभ शर्मा व अन्य चिकित्सक शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें। अतं में प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ0 संगीता सक्सेना द्वारा दानदाताओं द्वारा किये गये उक्त नेक व जनसेवा कार्य हेतु आभार प्रकट किया गया तथा भविष्य में भी निरन्तर सहयोग की अपेक्षा की गई।

HUDCO TAX BONDS!

Housing and Urban Development Corporation Limited (HUDCO) organised a dialogue meeting at Jai Mahal Palace, Jaipur, to discuss 54EC Capital Gain Tax Exemption Bonds on Monday. Following the CBDT's April 7 notification, HUDCO is now authorised to issue these bonds, joining select PSUs offering this tax-saving option. HUDCO's Executive Director (Finance), General Manager (Finance), and Regional Head explained that capital gains from long-term asset sales—like land or buildings—are exempt from tax if up to ₹50 lakh is invested in these bonds within six months. The bonds mature in five years. The event was attended by senior officials, chartered accountants, financial advisors, and other stakeholders.

नगरपरिषद के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

नया भवन विकास और विश्वास का प्रतीक बनें- बिरला

पत्रिका लाइव रिपोर्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बूंदी. ऐतिहासिक नगर बूंदी में मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नगरपरिषद के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह भवन केवल एक प्रशासनिक ढांचा नहीं, बल्कि जनभावनाओं, उम्मीदों और स्थानीय विकास के संकल्पों का प्रतीक है। यह भवन इस बात का संदेश है कि बूंदी अब अपने गौरवशाली अतीत के साथ-साथ आधुनिक भविष्य की ओर अग्रसर है। बिरला ने कहा कि नगर परिषद का यह नया भवन शहर के नागरिकों की आकांक्षाओं और विश्वास का प्रतीक बने। उन्होंने कहा कि इस भवन में बैठने वाले जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि वे यहां आने वाले प्रत्येक नागरिक की बात को संवेदनशीलता के साथ सुने और समाधान के लिए तत्पर रहें। बिरला ने कहा कि बूंदी की ऐतिहासिक विरासत, किले, बावड़ियां, मंदिर, पत्थर की कलाकारी और हाड़ी रानी की शौर्यगाथाएं इस शहर की पहचान है।

उन्होंने कहा कि पर्यटन की अपार

बूंदी. नगरपरिषद के नए भवन में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

सभापति सरोज अग्रवाल ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि नए भवन के निर्माण से नगर परिषद की सेवाएं बेहतर तरीके से आमजन को मिलेंगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ने कोटा-बूंदी के विकास के लिए जो विजन रखा है, उसमे सभी मिलकर अपना सहयोग दें। बूंदी में हुडको के माध्यम से शहर के सर्वांगीण विकास के व्यापक विकास कार्य होंगे। ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि बूंदी कला और पर्यटन के क्षेत्र में एक

HUDCO celebrated its 55th Foundation Day on Friday at India Habitat Centre, New Delhi. HUDCO's Jaipur Regional Office was awarded "Outstanding Performance in Business Operations" for exemplary contributions in Rajasthan during 2024-25. This marks their fourth consecutive win. The Jaipur office sanctioned loans worth ₹12,367.72 crore and achieved record disbursements of ₹7,643.35 crore. Regional Head Sudhir Kumar Bhatnagar received the award. RSRDCC and RWSSC were also felicitated under the Urban Infrastructure category.

...को से लिया ...एगा लोन

...पुर @ पत्रिका. ...ख्यमंत्री दिया कुमारी की ...दगी में सोमवार को ...वालय में राजस्थान पर्यटन ...विकास के लिए हुडको से ... करोड़ रुपए के लोन के लिए ...न निगम एमडी सुषमा ...डा और हुडको के क्षेत्रीय ...व सुधीर भटनागर ने ...ओयू किया। उपमुख्यमंत्री ने ...या कि 9.12 प्रतिशत की ...ज दर पर यह दीर्घकालीन लोन लिया जा रहा है। उन्होंने एक निजी कार्यक्रम में कहा कि पैलेस ऑन व्हील्स को दुनिया की नंबर एक लग्जरी ट्रेन घोषित किया जाना गौरव की बात है। उन्होंने ट्रेन के ओएंडएम ऑपरेटर भगत सिंह लोहागढ़ को सम्मानित किया।

हडको क्षेत्रीय कार्यालय का खेल दिवस

जयपुर | हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा वर्ष 2026 का वार्षिक खेल दिवस उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत क्षेत्रीय प्रमुख सुधीर कुमार भटनागर के संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने उपस्थित कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को खेलों के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर पर कार्यालय के कर्मचारियों

राष्ट्रदूत जयपुर, 7 दिसम्बर, 2024 — राजधानी

समयबद्धता, पारदर्शिता व गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए आमजन को पहुंचाये लाभ : झाबर सिंह खर्रा

जयपुर। नगरीय विकास, आवासन एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबरसिंह खर्रा की अध्यक्षता में शुक्रवार को स्वायत्त शासन

जयपुर में हुडको ने 54EC कैपिटल गेन बॉन्ड्स की शुरुआत की

बेधड़क. जयपुर। हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हुडको) ने जय महल पैलेस में संवाद बैठक के दौरान 54EC कैपिटल गेन बॉन्ड्स की घोषणा की। केंद्रीय वित्त मंत्रालय के केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड द्वारा 7 अप्रैल को जारी अधिसूचना के तहत हुडको को इन बॉन्ड्स को जारी करने की मान्यता प्राप्त हुई। अब हुडको उन सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों में शामिल हो गया है, जो निवेशकों को टैक्स सेविंग साधन उपलब्ध कराते हैं। हुडको के कार्यकारी निदेशक (वित्त), महाप्रबंधक (वित्त) और क्षेत्रीय प्रमुख ने बताया कि इन बॉन्ड्स के तहत दीर्घकालिक पूंजीगत परिसंपत्तियों जैसे भूमि और भवन की बिक्री से उत्पन्न पूंजीगत लाभ पर टैक्स छूट मिलती है, यदि 50 लाख रुपए तक का निवेश 6 महीने के भीतर 54EC कैपिटल गेन बॉन्ड्स में किया जाए। इन बॉन्ड्स की परिपक्वता अवधि पांच वर्ष होगी।

राष्ट्र के सपनों को साकार करने तथा जीवन गुणवत्ता को प्रोन्नत करके राष्ट्र निर्माण में सहभागिता के लिए प्रतिबद्ध

हडको
hudco
A NAVRATNA CPSE

जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय

हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड